छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

रायपुर

रायपुर, शुक्रवार 09 अक्टूबर

वर्ष-07, अंक-281

पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

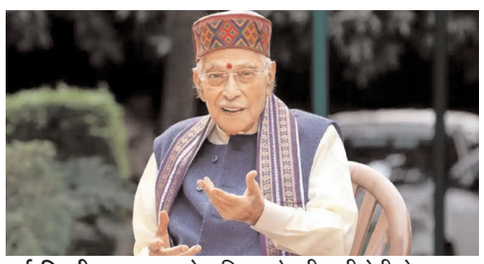
एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com

Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

ईसी विवाद पर मुरली मनोहर जोशी बोले- चुनाव निष्पक्ष हों, सरकारें जवाबदेह हों



नई दिल्ली। चुनाव आयोग विवाद के बीच बीजेपी नेता मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि लोकतंत्र की बुनियाद निष्पक्ष चुनाव और जवाबदेह सरकार है। उन्होंने कहा कि संविधान का उल्लंघन हो तो सुप्रीम कोर्ट को ध्यान देना चाहिए।चुनाव आयोग को लेकर जारी विवाद और दिल्ली में चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के बीच भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेता और पद्म विभूषण डॉ। मुरली मनोहर जोशी ने लोकतंत्र, निष्पक्ष चुनाव और संवैधानिक संस्थाओं की जवाबदेही पर जोर दिया है। मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि लोकतंत्र की बुनियाद इस बात पर टिकी है कि चुनाव निष्पक्ष हों, सरकारें जवाबदेह हों और नौकरशाही पारदर्शी तरीके से काम करे।

मंत्री परवेश वर्मा को दिल्ली हाई कोर्ट का नोटिस, आप कार्यकर्ता को थप्पड़ मारने के आरोप पर मांगा जवाब आप



नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने आप कार्यकर्ता साहिब सिंह की याचिका पर दिल्ली पुलिस और परवेश वर्मा को नोटिस दिया है। सिंह ने वर्मा पर सड़क निरीक्षण के दौरान मारपीट और थप्पड़ मारने का आरोप लगाया है।
दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता साहिब सिंह की याचिका पर दिल्ली पुलिस और दिल्ली सरकार में मंत्री परवेश वर्मा को नोटिस जारी किया। आरोप है कि साहिब सिंह को पिछले महीने सड़क इंस्पेक्शन के दौरान वर्मा ने थप्पड़ मारा था। सिंह ने पुलिस प्रोटेक्शन और घटना की इंडिपेंडेंट जांच के लिए हाई कोर्ट में अर्जी दी है।

ड्रोन-मिसाइल हमले में 36 घायल; जवाब में यमन के 80 ठिकानों पर सऊदी की एयरस्ट्राइक



रियाद। सऊदी अरब के रियाद में किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हूतियों ने पहले भी हमला किया था। यह तस्वीर 19 सितंबर 2026 की है। सऊदी अरब के रियाद में किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हूतियों ने पहले भी हमला किया था। यह तस्वीर 19 सितंबर 2026 की है।सऊदी अरब के दो एयरपोर्ट्स पर हूती विद्रोहियों ने ड्रोन और मिसाइल से हमले किए। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई है। साथ ही 36 लोग घायल हुए हैं। सऊदी अरब की जनरल अथॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन ने बुधवार को यह जानकारी दी।आभा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को 6 और 7 अक्टूबर को निशाना बनाया गया। हूती विद्रोहियों ने दोनों हमलों की जिम्मेदारी ली है।

महाराष्ट्र में पेट्रोल पंप सील करने पहुंचे अधिकारी की हत्या



हिंगोली। महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में मंगलवार को पेट्रोल पंप सील करने पहुंचे इंडियन ऑयल अधिकारी महेश शेलके की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। विवाद के बाद उन पर 7 बार चाकू से हमला किया गया। पुलिस के मुताबिक, महेश इंडियनऑयल की टीम के साथ अंबाचोंडी गांव के पेट्रोल पंप को सील करने पहुंचे थे। इसी दौरान पंप मालिक के परिवार और वहां मौजूद लोगों से उनका विवाद हो गया। यह पेट्रोल पंप कुछ दिन पहले ही दोबारा शुरू हुआ था।केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने हत्या को निंदनीय और अस्वीकार्य बताया।

राज्य स्तरीय रोजगार मेले का उत्साहपूर्ण समापन, दो दिनों में 13 हजार से अधिक युवाओं की सहभागिता

युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल और रोजगार के बेहतर अवसर देना हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर कौशल प्रशिक्षण और उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ के बेटे-बेटियों को शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर अपने ही प्रदेश में मिलें, वे अपने कौशल और प्रतिभा के बल पर आत्मनिर्भर बनें तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनें। मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय रोजगार मेला-2026 के समापन अवसर पर युवाओं को संबोधित कर रहे थे।

युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल और रोजगार के बेहतर अवसर देना हमारी प्राथमिकता

इस अवसर पर उन्होंने चयनित युवाओं को ऑफर लेटर प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



मुख्यमंत्री के करकमलों से लगभग 1,100 चयनित युवाओं को ऑफर लेटर प्रदान किए गए। 7 एवं 8 अक्टूबर को आयोजित दो दिवसीय रोजगार मेले में प्रदेशभर से 13 हजार से अधिक युवाओं ने सहभागिता की। विभिन्न कंपनियों द्वारा आयोजित चयन प्रक्रियाओं के बाद 5 हजार से अधिक अभ्यर्थियों का अंतिम चयन हुआ। प्रदेश के सभी जिलों के साथ दूरस्थ एवं जनजातीय अंचलों से भी बड़ी संख्या में युवा मेले में पहुंचे और अपनी शैक्षणिक योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार के लिए चयन प्रक्रिया में शामिल हुए।

युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल और रोजगार के बेहतर अवसर देना हमारी प्राथमिकता मुख्यमंत्री श्री साय ने चयनित युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि रोजगार का यह अवसर उनके जीवन में नई शुरुआत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि युवा अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर अपने परिवार के साथ प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे।

युवाओं के सपनों को अवसरों से जोड़ रही सरकार

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। पिछले ढाई वर्षों में प्रदेशभर में 925 रोजगार मेलों का आयोजन किया गया है, जिनके माध्यम से 25 हजार 845 से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है। राज्य स्तरीय रोजगार मेले की सफलता इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों को और गति देने वाली है। उन्होंने कहा कि आज के समय में शिक्षा के साथ व्यावहारिक कौशल और उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण भी आवश्यक है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार युवाओं को शिक्षा से कौशल और कौशल से रोजगार तक जोड़ने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा की सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश में आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपल आईटी, एम्स और विधि विश्वविद्यालय जैसे राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थान संचालित हैं।

आगरा से लेकर दिल्ली तक CEC ज्ञानेश कुमार की बढ़ाई गई सुरक्षा



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

विरोध प्रदर्शनों के बीच ष्टश्वष्ट ज्ञानेश कुमार की सुरक्षा बढ़ाई गई है। दिल्ली स्थित आवास और चुनाव आयोग मुख्यालय में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। आगरा स्थित आवास पर भी सुरक्षा बढ़ाई गई है।मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। चुनाव आयोग की ओर से चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी स्ढ्ढक्रको लेकर देशभर में जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच केंद्र सरकार ने उनकी मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था को और बढ़ाने का फैसला किया है। ज्ञानेश कुमार के दिल्ली स्थित आवास, चुनाव आयोग मुख्यालय और उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है।

अर्धसैनिक बलों की संख्या बढ़ाई जाएगी

सुरक्षा का यह विस्तार हालिया सुरक्षा आकलन के बाद किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, मुख्य चुनाव आयुक्त को पहले से ही उच्च स्तर की सुरक्षा प्राप्त है। अब हालात के नए आकलन के बाद उनके सुरक्षा घेरे में अतिरिक्त जवान शामिल किए जा रहे हैं। चुनाव आयोग के मुख्यालय निर्वाचन सदन में भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। परिसर के भीतर ष्ठढ्ढस्त्र की तैनाती बढ़ाई गई है।

लखनऊ के मॉल में पानी घुसा, फर्रुखाबाद में ओले गिरे

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बिजली गिरने से 3 मौतें

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

उत्तराखंड, हिमाचल, मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ और झारखंड के आसपास बने ऊपरी हवा के साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण कई क्षेत्रों में बनी ट्रफ के कारण मौसम एक बार फिर बदल गया है।मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ के चलते ही छत्तीसगढ़ के 29 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। यहां 60द्यद्बश्चद्ध की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। बिजली गिरने से बिलासपुर में 3 लोगों की मौत हो गई।यूपी में बाढ़ के बीच फिर से मौसम बिगड़ गया है। लखनऊ, बाराबंकी, सीतापुर और सुल्तानपुर समेत 5 शहरों में सुबह से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। फर्रुखाबाद में ओले गिरे हैं।इधर, गोमती नदी का पानी 10वें दिन भी बढ़ रहा है। प्लासियो मॉल के चारों ओर पानी भर गया है। राज्य में आज 42 जिलों में बारिश का अलर्ट है।बिहार में मानसून की विदाई से पहले मौसम बदल गया है।

42 पूर्व जजों ने चुनाव आयोग के समर्थन में लिखी चिट्ठी, कहा- ये राजनीतिक विरोध है, जनता का नहीं

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देश के 272 नागरिकों और 42 पूर्व न्यायाधीशों ने चुनाव आयोग के स्ढ्ढक्रका समर्थन करते हुए खुली चिट्ठी लिखी है। उन्होंने संवैधानिक संस्थाओं पर बेबुनियाद सवाल उठाने की निंदा की है। पत्र में कहा गया है कि विपक्ष माहौल बिगाड़ रहा है। पूर्व जजों ने राजनीतिक दलों से संवैधानिक मंचों पर शिकायतें करने की भी अपील की है।पत्र में चेतावनी दी गई है कि लोकतंत्र में चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर बार-बार बेबुनियाद सवाल खड़े नहीं किए जाने चाहिए।

पीएम बोले- मोबाइल सिर्फ गपशप या चैट करने का जरिया नही



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

इंडिया मोबाइल कांग्रेस के दूसरे दिन पीएम मोदी ने कहा कि आज सरकार की बैंक, अस्पताल, सरकारी दफ्तर जैसी सैकड़ों सर्विसेज मोबाइल पर हैं।वहीं उन्होंने बताया कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से अब तक करीब ?50 लाख करोड़ रुपए सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे जा चुके हैं। इस सिस्टम की वजह से बिचौलियों और फर्जीवाड़े पर रोक लगी और लगभग ?5 लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बच गए।इंडिया मोबाइल कांग्रेस का ढ्ढऔर 6त्न पर फोकस रहेगा। 2017 में हुआ पहला इवेंट सिर्फ भारत पर फोकस्ड था, अब 100 से ज्यादा देश शामिल हुए हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आज मोबाइल फोन केवल गपशप या चैट करने का जरिया नहीं रह गया है, बल्कि यह आम लोगों तक सरकारी सुविधाएं पहुंचाने का सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है। भाषा या दूरी की रुकावटें खत्म हो गई हैं। अब लोगों को दफ्तरों के चक्कर काटने और लंबी लाइनों में खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे उनका समय और पैसा दोनों बच रहा है

भारत में टेलीकॉम का मतलब अब सिर्फ नेटवर्क, स्पेक्ट्रम या इंटरनेट स्पीड तक सीमित नहीं है। पीएम ने कहा कि भारतीयों के लिए यह इससे कहीं आगे की चीज है।

जिनकी काली कमाई बंद हुई, वो मोदी को पसंद नहीं करेंगे

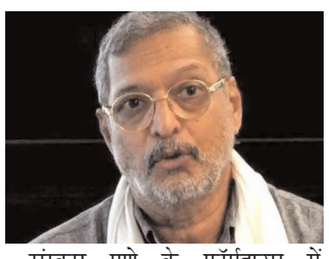
डीबीटी से हुई बचत पर विपक्ष और दलालों पर तंज कसते हुए पीएम मोदी ने कहा, ÷जिन लोगों की यह अवैध कमाई बंद हो गई है, वे जाहिर तौर पर मोदी को पसंद नहीं करेंगे। वे चाहे जितना भी शोर मचाते रहें, लेकिन हमने जनता का हक सीधे जनता तक पहुंचाने का पक्का संकल्प लिया था और इसे पूरा किया।

75 साल की उम्र में निधन

नाना पाटेकर का आखिरी ड्रम बजाया, गोवा में कार्डियक अरेस्ट से निधन

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

नाना पाटेकर का असली नाम विश्वनाथ पाटेकर था। बचपन में उनकी छोटी बहन उन्हें प्यार से नानाकहकर बुलाती थी, जिसके बाद यही उनकी पहचान बन गया। नाना पाटेकर का असली नाम विश्वनाथ पाटेकर था। बचपन में उनकी छोटी बहन उन्हें प्यार से नाना कहकर बुलाती थी, जिसके बाद यही उनकी पहचान बन गया।दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 75 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें गोवा स्थित घर में कार्डियक अरेस्ट हुआ था। उन्हें करीब 45 मिनट तक CPR दी गई, लेकिन बचाया नहीं जा सका। अंतिम



संस्कार पुणे के फॉर्महाउस में होगा।मणिपाल हॉस्पिटल के डॉ. शेखर सालकर के मुताबिक नाना पाटेकर का सुबह 5ः20 बजे निधन हुआ। घटना के वक्त नाना के साथ घर पर परिवार का कोई सदस्य नहीं था। उनके दोस्त और केयरटेकर मौजूद थे। अब शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा।

एलन मस्क के आरोप पर केंद्र का पलटवार, बताया बेबुनियाद और गलत

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

लॉन्चिंग में देरी को लेकर SpaceX के सीईओ एलन मस्क के आरोपों पर केंद्र सरकार ने जवाब दिया है। संचार मंत्रालय ने मस्क के इस दावे को खारिज कर दिया कि भारत में SpaceXको कुछ बड़े कारोबारी समूहों की ओर से रोका जा रहा है। सरकार ने आरोपों को बेबुनियाद और गलत धारणा पर आधारित बताया है। मंत्रालय ने कहा कि भारत में सैटेलाइट कम्युनिकेशन समेत सभी दूरसंचार सेवाओं के लिए निष्पक्ष और भेदभावरहित ऑथराइजेशन फ्रेमवर्क लागू है।

तीन कंपनियों को मिला है लाइसेंस



केंद्र सरकार के मुताबिक, इस व्यवस्था के तहत तीन कंपनियों को ग्लोबल मोबाईल पर्सनल कम्यूनिकेशन बाई सैटेलाइट यानी GMPCS सेवाओं के लिए लाइसेंस दिए गए हैं। भारत में GMPCS सेवा के लिए लाइसेंस पाने वाली तीन कंपनियां हैं- स्टारलिंक सैटेलाइट कम्यूनिकेशन, जिओ सैटेलाइट कम्यूनिकेशन और वनवेब इंडिया कम्यूनिकेशन्स। लाइसेंसधारी के तौर पर दर्ज किया गया है।

नितिन नबीन का विपक्ष पर हमला

युवा सिर्फ युवा है, Gen Z-Alpha में क्यों बांटा जा रहा

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने गुरुवार को जेन ज़ी को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ÷युवाओं को जेन ज़ी, जेन अल्फ़ा, बीटा या गामा में क्यों बांटा जा रहा है? ये सब युवाओं को बांटने की साज़िश है। युवा सिर्फ युवा है उनको कैटेगरी में नहीं बांटा जाना चाहिए। पीढ़ी परिवर्तन को परिवार, समाज और पॉलिटिकल पार्टी को ये समझना है कि ये नई पीढ़ी अपनी बात रखना जानती है और हम सबको उनको सुनना चाहिए।उन्होंने कहा, पीएम मोदी से पहले जीतने पीएम हुए वो पहले पीएम बनें फिर सांसद हुए, मोदी जी पहले ऐसे पीएम हुए जो पहले सांसद बनें फिर पीएम बनें। ÷हमने



सबकुछ सही कर लिया ये हमने कभी दावा नही किया लेकिन हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, आजादी के अस्सी साल बाद भी हम विकसित भारत नहीं बना पाएं क्योंकि इस देश को आदत बनी थी पंच वर्षीय योजना की, जो सरकार पंच वर्षीय योजना बनाएगी वो पांच साल से ज्यादा सोच ही नहीं पाएगी, मोदी जी ने इसको पूरी तरह से बदलकर नीति आयोग का गठन किया जो 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने का लक्ष्य तय किया। अमेरिका ने 1880 में सोचा था मेक अमेरिका ग्रेट ड्रीम्स,चीन ने अपने को पूरी तरह से बदला वैसे हम कभी सोच ही नही पाए।

राहुल गांधी पर साधा निशाना

नितिन नबीन ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग के खिलाफ किए गए विरोध प्रदर्शन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी में हिम्मत है तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। साथ ही, उन्होंने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के पुनर्विकास की भी तारीफ की। उन्होंने उत्तर प्रदेश BJP अध्यक्ष पंकज चौधरी के साथ वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की और अनुष्ठान किए।

चुनाव आयोग पर सवाल उठाने और विरोध प्रदर्शन करने को लेकर नवीन ने कांग्रेस नेता पर ÷अराजक मानसिकता÷ रखने का आरोप लगाया।

पाथमिक स्वास्थ्य केन्द्र साधवानी ने एनक्यूएएस में हासिल की महत्वपूर्ण उपलब्धि

गुणवत्तापूर्ण और मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में जिले ने बढ़ाया एक और कदम

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही



जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लगातार बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र साधवानी ने निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरते हुए राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) के मूल्यांकन में सफलतापूर्वक क्वालीफाई किया है। यह उपलब्धि जिले में गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित एवं मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में किए जा रहे सतत प्रयासों का परिणाम है। एनक्यूएएस के अंतर्गत स्वास्थ्य संस्थानों में मरीजों को दी जा रही सेवाओं, मरीजों के अधिकार, उपलब्ध संसाधन, सहायक एवं क्लीनिकल सेवाएं, संक्रमण नियंत्रण, गुणवत्ता प्रबंधन तथा परिणाम आधारित सेवाओं सहित विभिन्न निर्धारित मानकों का मूल्यांकन किया जाता है। इन मानकों के अनुरूप पीएचसी साधवानी ने अपनी स्वास्थ्य सेवाओं और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के मार्गदर्शन में जिले के स्वास्थ्य संस्थानों में एनक्यूएएस प्रमाणीकरण एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधार को प्राथमिकता देते हुए लगातार कार्य किया जा रहा है। स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने, रिकॉर्ड एवं दस्तावेजों को व्यवस्थित रखने तथा मरीज-केंद्रित सेवाओं को और सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस उपलब्धि में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के सतत मार्गदर्शन और प्रभावी मॉनिटरिंग के साथ जिला स्तरीय टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। एनक्यूएएस की तैयारियों के दौरान फील्ड मॉनिटरिंग, गैप एनालिसिस, दस्तावेजीकरण एवं आवश्यक सुधारात्मक गतिविधियों पर निरंतर कार्य किया गया। पीएचसी साधवानी के चिकित्सा अधिकारी, आरएमए, एएनएम, स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, सपोर्टिंग स्टाफ सहित समस्त स्वास्थ्यकर्मियों ने टीम भावना के साथ कार्य करते हुए इस उपलब्धि में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कच्चे घर से पक्के आशियाने तक- प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली इंदु देवी की जिंदगी

सपनों को मिला अपना घर- प्रधानमंत्री आवास योजना से फूलमती के जीवन में आई नई खुशियां

संवाददाता ➤ एमसीबी



सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के जीवन में आए बदलाव की कहानियां सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के ग्राम चनवारीडांड निवासी इंदुदेवी की कहानी भी सामने आई है, जिनका पक्के घर का सपना प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के माध्यम से पूरा हुआ।

इंदुदेवी को वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत आवास निर्माण के लिए 1 लाख 20 हजार की शासकीय सहायता प्राप्त हुई। योजना से मिली सहायता से उन्होंने अपने पक्के आवास का निर्माण कराया। घर को बेहतर रूप देने के लिए इंदुदेवी ने अपनी ओर से भी कुछ राशि लगाई और एक अच्छा एवं सुविधाजनक घर तैयार कराया। इंदुदेवी बताती हैं कि पक्का घर उनके परिवार की बड़ी जरूरत थी। योजना के माध्यम से मिली सहायता से उनके लिए इस सपने को पूरा करना संभव हो सका। उन्होंने कहा, ÷सरकार से आवास बनाने के लिए राशि मिली। मैंने भी अपनी ओर से कुछ राशि मिलाई और एक अच्छा घर बनवा लिया। अब परिवार को सुरक्षित और पक्की छत मिल गई है।÷पक्का आवास मिलने के बाद इंदु देवी के परिवार को रहने के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक स्थान मिला है। पहले जहां पक्के घर का सपना पूरा करना मुश्किल था, वहीं अब उनका अपना बेहतर आशियाना है। आवास ने परिवार के जीवन में सुरक्षा और स्थायित्व की भावना को मजबूत किया है।सेवा संकल्प अभियान 2026 के माध्यम से जिले में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं से लाभान्वित लोगों की ऐसी कहानियों को सामने लाया जा रहा है।

खड़गवां में उप-पंजीयक कार्यालय को मिली स्वीकृति, चिरमिरी सहित 60 गांवों के लोगों को मिलेगी नजदीक रजिस्ट्री की सुविधा

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी का जताया आभार, कहा—क्षेत्रवासियों को मिलेगी बड़ी सहूलियत

संवाददाता ➤ मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी

खड़गवां और चिरमिरी क्षेत्र के लोगों को जमीन की रजिस्ट्री के लिए अब दूर तक सफर करने से राहत मिलेगी। राज्य शासन ने खड़गवां में नवीन उप-पंजीयक कार्यालय की स्थापना की अधिसूचना जारी कर दी है। इस कार्यालय के कार्यक्षेत्र में खड़गवां तहसील के 44 और चिरमिरी तहसील के 16 सहित कुल 60 गांव शामिल किए गए हैं। अधिसूचना के अनुसार कार्यालय की स्थापना 1 दिसंबर 2026 से प्रभावी होगी।

स्वास्थ्य मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने चिरमिरी, खड़गवां और समस्त क्षेत्रवासियों की ओर से मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, ÷खड़गवां में उप-पंजीयक कार्यालय की स्थापना से क्षेत्रवासियों को बड़ी सहूलियत मिलेगी। जमीन की रजिस्ट्री के लिए उन्हें अब ज्यादा दूर नहीं जाना पड़ेगा और अपने क्षेत्र में ही पंजीयन की सुविधा मिल सकेगी। इससे लोगों के समय और आने-जाने के खर्च की बचत होगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार प्रशासनिक सुविधाओं को जनता के नजदीक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।÷

सहेरगांव	—	4	देवाडांड (तहसील खड़गवां)
कटकोना	92	5	देवाडांड (तहसील खड़गवां)
देवाडांड	141	5	देवाडांड (तहसील खड़गवां)
मंगोरा	175	5	देवाडांड (तहसील खड़गवां)
भुलवा	118	6	देवाडांड (तहसील खड़गवां)
लालवा	200	6	देवाडांड (तहसील खड़गवां)
सालमडांड	211	6	देवाडांड (तहसील खड़गवां)
बोचवा	24	7	देवाडांड (तहसील खड़गवां)
देवाडांड	86	7	देवाडांड (तहसील खड़गवां)
लखरगवां	182	7	देवाडांड (तहसील खड़गवां)
लिलपुर	193	7	देवाडांड (तहसील खड़गवां)
पिठुमुडी	39	8	रतनपुर (तहसील खड़गवां)
बरपर	124	8	रतनपुर (तहसील खड़गवां)
छोटे कलुआ	61	9	खड़गवां (तहसील खड़गवां)
पीपरखुरा	110	9	खड़गवां (तहसील खड़गवां)
धनपुर	126	10	खड़गवां (तहसील खड़गवां)
भंडोली	160	10	खड़गवां (तहसील खड़गवां)
पीपा	214	10	खड़गवां (तहसील खड़गवां)
खड़गवां	30	11	खड़गवां (तहसील खड़गवां)
उमाडांड	169	11	खड़गवां (तहसील खड़गवां)
बड़ापुर	—	11	खड़गवां (तहसील खड़गवां)
कोड़ारी	27	12	रतनपुर (तहसील खड़गवां)
पोड़ीडीह	117	12	रतनपुर (तहसील खड़गवां)
रतनपुर	106	12	रतनपुर (तहसील खड़गवां)
लिलपुर	207	12	रतनपुर (तहसील खड़गवां)
धनपुर	87	13	रतनपुर (तहसील खड़गवां)
पेण्डरी	113	13	रतनपुर (तहसील खड़गवां)
कोरिया	146	13	रतनपुर (तहसील खड़गवां)
पुर्वी	82	14	खड़गवां (तहसील खड़गवां)
लिपिल	206	14	खड़गवां (तहसील खड़गवां)
कोरिया	25	15	रतनपुर (तहसील खड़गवां)
कोरिया	59	15	रतनपुर (तहसील खड़गवां)
उधनापुर	09	1	उधनापुर (तहसील चिरमिरि)
कौरीडार	29	1	उधनापुर (तहसील चिरमिरि)
जटहरी	63	2	उधनापुर (तहसील चिरमिरि)
बालोडीह	127	2	उधनापुर (तहसील चिरमिरि)
बेरी	172	2	उधनापुर (तहसील चिरमिरि)

नया कार्यालय शुरू होने से इन गांवों के लोगों को जमीन और अन्य अचल संपत्तियों की रजिस्ट्री के लिए मनेन्द्रगढ़ स्थित उप-पंजीयक कार्यालय तक नहीं जाना पड़ेगा। किसानों, ग्रामीणों और संपत्ति की खरीद-बिक्री करने वाले नागरिकों को नजदीक ही रजिस्ट्री की सुविधा उपलब्ध होगी।

नवीन कार्यालय के कार्यक्षेत्र में खड़गवां, देवाडांड, रतनपुर, छोटे कलुआ, धनपुर, पेंडरी सहित खड़गवां तहसील के गांव तथा चिरमिरी, उधनापुर, आमाडांड, भुकभुकी और अन्य संबंधित गांव शामिल हैं। इन गांवों को मनेन्द्रगढ़ उप-पंजीयक कार्यालय के कार्यक्षेत्र से अलग कर नवीन खड़गवां पंजीयन उप-जिले में शामिल किया गया है।

क्षेत्रवासियों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए स्थानीय विधायक एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल का धन्यवाद व्यक्त किया है। लोगों ने कहा कि क्षेत्र में उप-पंजीयक कार्यालय की सुविधा मिलने से जमीन की रजिस्ट्री कराना आसान होगा और दूर स्थित कार्यालय तक आने-जाने की परेशानी कम होगी।

संकल्प अभियान : हरदीपारा व्यपवर्तन में स्वच्छता अभियान एवं जल जन चौपाल का आयोजन

जल स्रोतों की स्वच्छता, संरक्षण एवं संवर्धन के लिए ग्रामीणों को किया गया जागरूक

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही



प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जनसेवा से राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले में संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज ग्राम पंचायत खोड़री के हरदीपारा व्यपवर्तन में स्वच्छता अभियान एवं जल स्रोत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं पंचायत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों को जल संरक्षण, जल संवर्धन एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान हरदीपारा व्यपवर्तन एवं आसपास के जल स्रोतों की साफ-सफाई के साथ ही नदी घाट स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर जल जन चौपाल, ग्रामीण पेयजल स्रोतों की जांच एवं ग्राम जल सुरक्षा संवाद का आयोजन किया गया। विभागीय अमले द्वारा ग्रामीणों को जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने, पेयजल की शुद्धता बनाए रखने तथा जल संसाधनों के आसपास नियमित साफ-सफाई रखने के महत्व की जानकारी दी गई।

जल जन चौपाल में ग्रामीणों को बताया गया कि जल जीवन का आधार है और इसकी प्रत्येक बूंद का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। वर्षा जल संचयन, जल के विवेकपूर्ण उपयोग तथा परंपरागत जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन से भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है। ग्रामीणों से जल स्रोतों के आसपास गंदगी नहीं फैलाने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की अपील की गई। कार्यक्रम के अंत में ग्राम पंचायत खोड़री-हरदीपारा के ग्रामीणों ने जल संरक्षण, जल के अपव्यय को रोकने तथा जल स्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने का सामूहिक संकल्प लिया। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम ने जल संरक्षण के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने और स्वच्छ एवं सुरक्षित जल के महत्व का संदेश दिया।

बस्तर की बेटी आफरीन बेगम ने जीता 'मिस शाइनिंग स्टार' का खिताब



एक सत बुलेटिन ➤ जगदलपुर

बस्तर की बेटी आफरीन बेगम ने राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित मॉडलिंग शो में 'मिस शाइनिंग स्टार' का खिताब जीतकर बस्तर और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। देशभर से शामिल प्रतिभागियों के बीच आफरीन ने अपने आत्मविश्वास, प्रतिभा और शानदार प्रदर्शन के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई।

राष्ट्रीय मंच पर बस्तर और छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने वाली आफरीन की इस उपलब्धि को उस समय और भी खास पहचान मिली, जब जाने-माने अभिनेता अभिनेता अमन वर्मा ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर आफरीन के साथ तस्वीर पोस्ट कर लिखा ससस अभिनेता अमन वर्मा की यह पोस्ट आफरीन के शानदार प्रदर्शन और उनकी प्रतिभा को मिली विशेष सराहना को दर्शाती है।आफरीन बेगम की यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे बस्तर और छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। उनकी सफलता ने एक बार फिर साबित किया है कि *बस्तर की बेटियां प्रतिभा, आत्मविश्वास और मेहनत के दम पर राष्ट्रीय मंच पर अपनी मजबूत पहचान बना सकती हैं।*

खनिजों के अवैध परिवहन करते पाए जाने पर 9 ट्रैक्टर जब्त

अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर लगातार निगरानी, नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध होगी वैधानिक कार्रवाई

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही



जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के निर्देशानुसार जिला खनिज उड़नदस्ता दल द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से रेत परिवहन करते पाए गए 9 ट्रैक्टर वाहनों को जब्त किया गया है। खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार उड़नदस्ता दल द्वारा मरवाही क्षेत्र के चीचगोहना, मड़वाही, कुम्हारी एवं मरिहीघाट क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए रेत से भरे 5 एवं मुरुम से भरे 1 ट्रैक्टर वाहनों को जब्त कर सुरक्षार्थ थाना मरवाही में रखा गया है। इसी प्रकार अमेराटिकरा एवं मौहारिटिकरा क्षेत्र से एक-एक ट्रैक्टर वाहन जब्त कर पुलिस चौकी कोटमी में सुरक्षार्थ रखा गया है। इसके अतिरिक्त खंता-लालपुर क्षेत्र से रेत से भरे एक ट्रैक्टर वाहन को जब्त कर नगर सैनिक लाइन में सुरक्षार्थ रखा गया है।

खनिज विभाग द्वारा सभी जब्त वाहनों के मालिकों के विरुद्ध खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। नियमानुसार निर्धारित अर्थदंड अथवा समझौता राशि संबंधित खनिज मद में जमा कराए जाने के उपरांत ही वाहनों को मुक्त किया जाएगा। कलेक्टर ने खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध सतत निगरानी रखने और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विशेष रूप से सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की गंभीरता से जांच कर गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन द्वारा खनिज संपदा के संरक्षण, अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने तथा खनिज नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्रवाई की जा रही है।



आईटीआई गौरेला में को अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन 12 अक्टूबर को

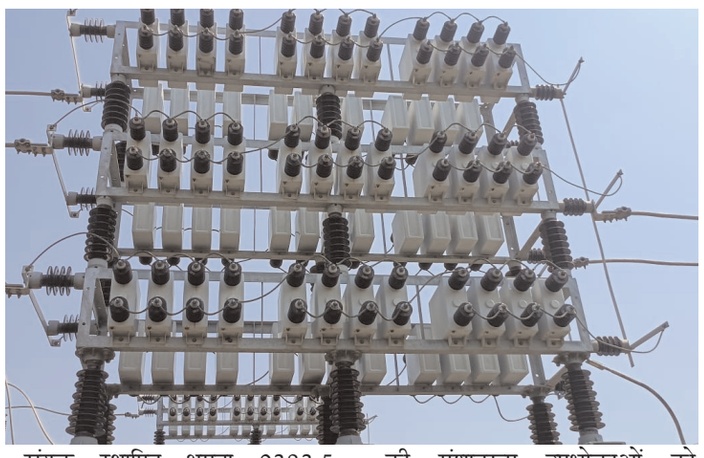
विद्युतकार, फिटर, डीजल मैकेनिक, कोपा, स्टेनो हिन्दी एवं वेल्डर ट्रेड के प्रशिक्षार्थियों को मिलेगा रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण का अवसर

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

जिले के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को व्यावहारिक कार्य अनुभव एवं कौशल विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) गौरेला में आगामी 12 अक्टूबर को अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया गया है। मेला प्रातः 9.30 बजे से आईटीआई गौरेला के नवीन भवन में आयोजित होगा। अप्रेंटिसशिप मेले में जिले के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से विद्युतकार, फिटर, डीजल मैकेनिक, कोपा, स्टेनो हिन्दी एवं वेल्डर ट्रेड में उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी भाग ले सकेंगे। इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने समस्त आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित समय पर उपस्थित होने के लिए कहा गया है। अप्रेंटिसशिप मेले का उद्देश्य तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को उद्योगों एवं प्रतिष्ठानों में व्यावहारिक प्रशिक्षण के अवसरों से जोड़ना तथा उनके कौशल एवं कार्यदक्षता को बढ़ावा देना है। अप्रेंटिसशिप के माध्यम से युवाओं को अपने संबंधित ट्रेड में कार्य अनुभव प्राप्त करने और भविष्य में रोजगार की संभावनाओं को बेहतर बनाने का अवसर मिल सकता है। संस्था के प्राचार्य ने संबंधित ट्रेडों के पात्र एवं इच्छुक प्रशिक्षणार्थियों से मेले में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है। मेले के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी कार्यालयीन समय में शासकीय आईटीआई गौरेला से संपर्क कर सकते हैं।

रबी सीजन के पहले एमपी ट्रांसको ने बढ़ाई रिएक्टिव पावर कंपनसेशन क्षमता- ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

ईएचवी सबस्टेशनों में कैपेसिटर बैंकों की संख्या पहुंची 750-वोल्टेज प्रोफाइल में हुआ उल्लेखनीय सुधार



भोपाल। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने रबी सीजन के ठीक पहले अपने ट्रांसमिशन नेटवर्क की रिएक्टिव पावर कंपनसेशन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश के एक्स्ट्रा हाई टेंशन (ईएचवी) सबस्टेशनों में 750 कैपेसिटर बैंकों के संचालन से वोल्टेज प्रोफाइल बेहतर हुआ है तथा कृषि उपभोक्ताओं सहित सभी उपभोक्ताओं को अधिक स्थिर, गुणवत्तापूर्ण और मानक वोल्टेज पर विद्युत आपूर्ति मिल रही है।

श्री तोमर ने बताया कि एमपी ट्रांसको द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 और वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में अभी तक 29 नए कैपेसिटर बैंकों की स्थापना कर उन्हें सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया है। वर्तमान में प्रदेश में कुल 750 कैपेसिटर बैंक क्रियाशील हैं, जिनकी संयुक्त स्थापित क्षमता 9383.5 एमवीएआर हो गई है। यह क्षमता प्रदेश की अब तक की अधिकतम रिएक्टिव पावर मांग 6776 एमवीएआर से लगभग 38 प्रतिशत अधिक है, जिससे भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध है।

विद्युत गुणवत्ता और वोल्टेज स्थिरता में सुधार-

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि प्रदेश शासन की मंशानुरूप उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एमपी ट्रांसको जरुरत के हिसाब से अपने ईएचवी सबस्टेशनों में कैपेसिटर बैंक स्थापित कर चुकी है। कंपनी के 418 सबस्टेशनों में से अधिकांश में विभिन्न क्षमताओं के कैपेसिटर बैंक संचालित हैं। इसके अतिरिक्त पुराने सबस्टेशनों में भी आवश्यकता के अनुसार नए कैपेसिटर बैंक स्थापित किए जा रहे हैं तथा मौजूदा क्षमता में वृद्धि की जा रही है। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे पूरे प्रदेश में विद्युत गुणवत्ता और वोल्टेज स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

9383.5 एमवीएआर की स्थापित क्षमता-

वर्तमान में एमपी ट्रांसको के 220 केवी सबस्टेशनों पर 132 केवी सिस्टम के लिए 33 कैपेसिटर बैंक तथा 132 केवी सबस्टेशनों पर 33 केवी सिस्टम पर 717 कैपेसिटर बैंक क्रियाशील हैं। कुल मिलाकर 750 कैपेसिटर बैंकों के माध्यम से 9383.5 एमवीएआर की स्थापित क्षमता उपलब्ध है, जिसमें 132 केवी की 1073 एम वी ए आर तथा 33 केवी की 8310.5 एमवीएआर शामिल है,जो प्रदेश की विद्युत प्रणाली को मजबूत आधार प्रदान कर रही है।

एमपी ट्रांसको के मुख्य अभियंता टेस्टिंग एम वाय मंसूरी

ने जानकारी दी कि कंपनी ने ऐसे 52 पुराने कैपेसिटर बैंकों की पहचान की थी, जिनकी उपयोगी आयु पूर्ण हो चुकी थी और जो अपेक्षित कैपेसिटिव सपोर्ट प्रदान नहीं कर पा रहे थे। इन स्थानों पर अधिक क्षमता वाले नए कैपेसिटर बैंकों की स्थापना एवं पुराने उपकरणों के प्रतिस्थापन का अभियान चलाया गया इससे सबस्टेशनों की रिएक्टिव पावर कंपनसेशन क्षमता में अभी तक 309 एमवीएआर की बढोत्तरी हुई और उपभोक्ताओं को बेहतर वोल्टेज पर विद्युत आपूर्ति की जा रही है।

कैपेसिटर बैंक से होता है यह लाभ-

श्री मंसूरी ने जानकारी दी कि ट्रांसमिशन प्रणाली में सिंचाई पंप, औद्योगिक मोटरें तथा अन्य विद्युत उपकरण प्रायः इंडक्टिव लोड उत्पन्न करते हैं, जिससे वोल्टेज में गिरावट और पावर फैक्टर में कमी आती है। कैपेसिटर बैंक इस इंडक्टिव प्रभाव की भरपाई कर रिएक्टिव पावर उपलब्ध कराते हैं। इससे एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशन में वोल्टेज प्रोफाइल में सुधार होता है, पावर फैक्टर बेहतर होता है, ट्रांसमिशन प्रणाली की दक्षता बढ़ती है तथा उपभोक्ताओं को मानक वोल्टेज पर विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति प्राप्त होती है।

न्यूज इन शॉर्ट

पक्के घर का सपना हुआ पूरा, सेवा सेतु शिविर में नरेंद्र को मिला आवास की चाबी

गौरेला पेंड्रा मरवाही, मरवाही विकासखंड के ग्राम पंचायत पिपरिया निवासी श्री नरेंद्र कुमार के लिए पक्के घर का सपना अब हकीकत बन चुका है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से उन्हें अपने परिवार के लिए सुरक्षित और पक्का आशियाना मिला है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित 'सेवा सेतु अभियान - सरकार आपके द्वार' शिविर गुदुमदेवरी में श्री नरेंद्र कुमार को उनके नए पक्के आवास की चाबी सौंपी गई। चाबी हाथ में आते ही उनके चेहरे पर खुशी और संतोष की झलक साफ दिखाई दी। वर्षों से अपने पक्के घर की प्रतीक्षा कर रहे नरेंद्र कुमार के लिए यह पल बेहद खास रहा। श्री नरेंद्र कुमार ने आवास मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पक्का घर मिलने से उनके परिवार को अब सुरक्षित और बेहतर जीवन जीने का अवसर मिला है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को आवास का लाभ मिलने से 'सबके लिए आवास' के संकल्प को धरातल पर साकार करने में मदद मिल रही है। आज नरेंद्र कुमार का अपना पक्का घर है और उनके परिवार के सपनों को एक नई छत मिली है।



रायपुर - बस्तर में जल एवं मृदा संरक्षण की मिसाल बनी कुरमंडी नाले पर निर्मित गेबियन संरचना

बस्तर में जल एवं मृदा संरक्षण की मिसाल बनी कुरमंडी नाले पर निर्मित गेबियन संरचना



गेबियन संरचना से नियंत्रित हुआ पानी का तेज बहाव, मिट्टी के कटाव में आई कमी

रायपुर।, बस्तर में जल एवं मृदा संरक्षण की मिसाल बनी कुरमंडी नाले पर निर्मित गेबियन संरचना

बस्तर जिले के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में जल एवं मृदा संरक्षण के साथ प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जनपद पंचायत बास्तानार की ग्राम पंचायत सिलकझोड़ी में कुरमंडी नाला पार्ट-4 पर निर्मित गेबियन संरचना जल संरक्षण और मिट्टी के कटाव को रोकने की दिशा में उपयोगी साबित हो रही है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत निर्मित इस संरचना से जहां नाले में पानी के तेज बहाव को नियंत्रित करने में मदद मिल रही है, वहीं स्थानीय ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार के अवसर भी प्राप्त हुए हैं। ग्राम पंचायत सिलकझोड़ी में कुरमंडी नाला पर गेबियन संरचना का निर्माण कार्य 04 फरवरी 2026 को प्रारंभ किया गया था, जिसे 20 मई 2026 को पूर्ण कर लिया गया। इस कार्य पर कुल 1 लाख 42 हजार 800 रुपये व्यय किए गए। निर्माण कार्य में स्थानीय श्रमिकों की भागीदारी सुनिश्चित की गई, जिससे ग्रामीणों को रोजगार मिलने के साथ उनकी आजीविका को भी सहारा मिला। कुरमंडी नाला क्षेत्र में वर्षा ऋतु के दौरान पानी के तेज बहाव के कारण आसपास की भूमि का लगातार कटाव होता था। इससे उपजाऊ मिट्टी बहने के साथ कृषि भूमि की उर्वरता प्रभावित होती थी। वहीं वर्षा जल का पर्याप्त ठहराव नहीं होने के कारण जल संरक्षण की संभावनाएं भी सीमित थीं। इस समस्या के समाधान के लिए ग्राम पंचायत द्वारा नाले पर गेबियन संरचना का निर्माण कराया गया। दुर्गम क्षेत्र में निर्माण सामग्री पहुंचाना और नाले के प्राकृतिक स्वरूप को सुरक्षित रखते हुए मजबूत संरचना तैयार करना चुनौतीपूर्ण कार्य था। ग्राम पंचायत, तकनीकी अमले, ग्राम रोजगार सहायक और स्थानीय ग्रामीणों के आपसी समन्वय से पत्थरों एवं लोहे के तारों की जाली का उपयोग कर गेबियन संरचना तैयार की गई। गेबियन संरचना के निर्माण से नाले में वर्षा जल के तेज बहाव को नियंत्रित करने में मदद मिली है। पानी की गति कम होने से मिट्टी के कटाव में कमी आने के साथ वर्षा जल के ठहराव की स्थिति बेहतर हुई है।

सेवा संकल्प अभियान में सामने आई किसान रामलाल की कहानी, पीएम-किसान सम्मान निधि से खेती को मिला आर्थिक संबल

खाते में सीधे राशि मिलने से जरूरत के समय खेती से जुड़े खर्चों को पूरा करने में सहूलियत मिलती है

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

ग्राम चैनपुर निवासी रामलाल के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि बनी खेती-किसानी में सहारे का माध्यम, बोले-जरूरत के समय आर्थिक सहायता से मिलती है बड़ी राहत सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की सफलता की कहानियां सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में ग्राम चैनपुर निवासी किसान रामलाल की कहानी सामने आई है, जिनके लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना खेती-किसानी से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक संबल का माध्यम बनी है।

किसान रामलाल बताते हैं कि खेती उनके जीवन और परिवार की आजीविका का मुख्य आधार है। खेती के दौरान समय-समय पर बीज, खाद, कृषि सामग्री सहित कई जरूरी खर्च सामने आते हैं। ऐसे समय में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से मिलने वाली आर्थिक सहायता उनके लिए



उपयोगी साबित हो रही है। इससे जरूरत के समय खेती से जुड़े खर्चों को व्यवस्थित करने में सहूलियत मिलती है।प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि भारत सरकार की महत्वपूर्ण किसान कल्याण योजना है। योजना के तहत पात्र भूमिधारी किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह राशि 2-2 हजार की तीन समान किस्तों में सीधे लाभार्थी किसान के बैंक खाते में ह्यह्लह्म के माध्यम से हस्तांतरित की जाती है। योजना का उद्देश्य किसानों की आय संबंधी जरूरतों में सहायता करना तथा कृषि गतिविधियों से जुड़े खर्चों में सहयोग प्रदान करना है। रामलाल के लिए योजना के माध्यम से मिलने वाली यह सहायता खेती के दौरान आवश्यक खर्चों को पूरा करने में सहयोगी बन रही है। उनका कहना है कि बैंक खाते में सीधे राशि मिलने से जरूरत के समय आर्थिक सहायता उपलब्ध होती है, जिससे खेती-किसानी के काम को आगे बढ़ाने में सुविधा मिलती है। ÷जरूरत के समय आर्थिक सहायता से मिलती है बड़ी राहत÷किसान रामलाल कहते हैं, ÷खेती हमारे जीवन और परिवार की आजीविका का मुख्य आधार है। खेती में समय-समय पर बीज, खाद और अन्य जरूरी सामान के लिए खर्च करना पड़ता है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता हमारे लिए काफी उपयोगी होती है। खाते में सीधे राशि मिलने से जरूरत के समय खेती से जुड़े खर्चों को पूरा करने में सहूलियत मिलती है। किसानों के लिए ऐसी योजनाएं आर्थिक रूप से संबल प्रदान करती हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं कि किसानों के हित में ऐसी योजनाएं संचालित की जा रही हैं।÷ सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से शासन की योजनाओं और सेवाओं से आम नागरिकों के जीवन में आए बदलाव की ऐसी वास्तविक कहानियों को सामने लाया जा रहा है। रामलाल की कहानी भी इसी कड़ी का हिस्सा है, जो बताती है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचने पर वह उनकी आजीविका से जुड़े कार्यों में उपयोगी सहयोग बन सकता है।

सेवा संकल्प अभियान में सामने आई किसान रामलाल की यह कहानी किसान कल्याण की दिशा में संचालित जनहितकारी योजनाओं के जमीनी प्रभाव की एक झलक है, जहां प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजना खेती-किसानी से जुड़े परिवारों के लिए आर्थिक सहारे का माध्यम बन रही है।

नशामुक्त भारत अभियान : विद्यार्थियों ने ली नशामुक्ति की शपथ

सामूहिक हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से दिया नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत समाज में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता लाने तथा युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से समाज कल्याण विभाग द्वारा आज डॉ. भंवर सिंह पोर्ते शासकीय महाविद्यालय पेंड्रा में नशामुक्ति शपथ एवं सामूहिक हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा परिवार एवं समाज में नशामुक्ति का संदेश प्रसारित करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी नशे की बुराइयों से बचाने



के लिए प्रेरित करने की सामूहिक शपथ ली। इसके साथ ही सामूहिक हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से नशामुक्त समाज के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि युवा पीढ़ी देश और समाज का भविष्य है। युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। नशे की प्रवृत्ति न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि परिवार की खुशहाली और सामाजिक विकास में भी बाधक बनती है। इसलिए नशामुक्ति को जनजागरूकता एवं सामूहिक सहभागिता के माध्यम से जनआंदोलन का स्वरूप देना आवश्यक है। समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नशे के विरुद्ध सकारात्मक सोच विकसित करना तथा उन्हें नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के माध्यम से 'नशे को ना, जीवन को हां' का संदेश देते हुए स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त समाज के निर्माण का आह्वान किया गया।

तेलीबांधा चौक का नाम नहीं बदला जा रहा, किसी तरह का भ्रम न रखें : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

प्रदेश के 38 स्थानों पर विकसित होंगे 'सेवा ज्योति संकल्प चौक', तेलीबांधा चौक भी इनमें शामिल

मुख्यमंत्री ने कहा - न चौक का नाम बदल रहे हैं, न उसके मूल स्वरूप से कोई छेड़छाड़ की जा रही है

महतारी वंदन योजना की 32वीं किस्त होगी जारी, दुर्ग जिले को मिलेंगी विकास कार्यों की सौगात

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के तेलीबांधा चौक के नाम परिवर्तन को लेकर उत्पन्न भ्रम को स्पष्ट करते हुए कहा है कि तेलीबांधा चौक का नाम नहीं बदला जा रहा है। न तो चौक के नाम में कोई परिवर्तन किया जा रहा है और न ही उसके मूल स्वरूप के साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि प्रदेश में 38 स्थानों पर 'सेवा ज्योति संकल्प चौक' के तहत विकसित किए जाने की घोषणा की गई है। इनमें रायपुर का तेलीबांधा चौक भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इसे लेकर किसी को भी भ्रम में नहीं रहना चाहिए। तेलीबांधा चौक का नाम यथावत रहेगा, इसे केवल 'सेवा ज्योति संकल्प' की भावना के अनुरूप विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पूरे देश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सफाई व्यवस्था बेहतर करने और नियमित मॉनिटरिंग के दिए निर्देश

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव निकले स्कूटी पर, शहर भ्रमण कर सफाई और निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज खुद स्कूटी चलाकर अम्बिकापुर शहर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने शहर की सफाई व्यवस्था और डीसी रोड स्थित एसएलआरएम सेंटर का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत बने आवासों के हितग्राहियों से बातचीत की और अधिकारियों को नागरिक सुविधाएं बेहतर बनाने तथा सड़क निर्माण एवं मरम्मत के काम जल्द शुरू करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव निकले स्कूटी पर, शहर भ्रमण कर सफाई और निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

केरसु तालाब में सफाई व्यवस्था तत्काल सुधारने के निर्देश

शहर भ्रमण के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री साव ने विभिन्न क्षेत्रों में साफ-सफाई एवं नागरिक सुविधाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। केरसु तालाब में सफाई की आवश्यकता पाए जाने पर उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को तत्काल व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने सार्वजनिक स्थलों एवं आवासीय क्षेत्रों में नियमित सफाई के साथ स्वच्छता व्यवस्था की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने शहर की सफाई व्यवस्था बेहतर करने एवं नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों से मिले

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने सुभाष नगर में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के एएचपी घटक के तहत बने 493 आवासीय इकाईयों का निरीक्षण किया। उन्होंने हितग्राहियों से



मुलाकात कर वहां में मिल रही सुविधाओं और उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। साथ ही पक्का मकान मिलने के बाद उनके जीवन में आए बदलावों की जानकारी ली। हितग्राहियों ने आवास मिलने पर खुशी जताई और शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। श्री साव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन हितग्राहियों को आवास आबंटित किए गए हैं, उनका वहां निवास सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने आवासीय परिसर में साफ-सफाई, जरूरी सुविधाओं और शेष निर्माण कार्यों जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।

स्वच्छता दीदियों के काम की सराहना की

उप मुख्यमंत्री ने डीसी रोड स्थित एसएलआरएम सेंटर पहुंचकर कचरा संग्रहण, पृथक्करण और प्रसंस्करण की व्यवस्था देखी। उन्होंने अम्बिकापुर के कचरा प्रबंधन मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि शहर में लगभग 480 स्वच्छता दीदियां घर-घर से कचरा एकत्र करने और उसके प्रबंधन का महत्वपूर्ण काम कर रही हैं।

खड़गवां से छत्तीसगढ़ ने रचा नया इतिहास, देश में प्रदेश के 4 विकासखंड हुए टीबी मुक्त घोषित,

कई ग्राम पंचायत भी शामिल

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम एवं टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत छत्तीसगढ़ ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। खड़गवां के जनपद मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के चार विकासखंडों को टीबी मुक्त घोषित किया गया। इनमें एमसीबी जिले के खड़गवां और सोनहत, जशपुर जिले का बतौली तथा रायगढ़ जिले का घरघोड़ा विकासखंड शामिल हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल शामिल हुए। उनके साथ स्वास्थ्य विभाग के उप संचालक संजीव कुमार झा, एमसीबी कलेक्टर संतन देवी जांगड़े, जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सरपंच और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

भारत मंडपम दिल्ली से हुआ 'नेशनल जोश टीम' का शुभारंभ



राज्य स्तरीय कार्यक्रम से पूर्व नई दिल्ली के भारत मंडपम से राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन एवं टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 'नेशनल जोश टीम' का शुभारंभ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा द्वारा किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ भी वर्चुअली जुड़ा और राज्य स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से अभियान का हिस्सा बना।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने देश को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को वर्ष 2030 से पहले टीबी मुक्त करने के लक्ष्य को लेकर लगातार तेजी से काम किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि जिस गति से देश में टीबी उन्मूलन की दिशा में प्रयास हो रहे हैं, उससे भारत निर्धारित समय से पहले ही टीबी मुक्त होने की दिशा में बड़ी सफलता हासिल कर सकता है।



उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में अभियान की शुरुआत की गई थी। अभियान के पहले चरण में 'जोश टीम' घर-घर जाकर फ्लिप कार्ड के माध्यम से लोगों को टीबी के प्रति जागरूक करेगी। इस अवसर पर जोश टीम से संबंधित सामग्री का विमोचन भी किया गया।

'खुशी' एप से टीबी मरीजों को मिलेगी डिजिटल मदद

टीबी मुक्त भारत अभियान के साथ ई-संगिनी को भी जोड़ा गया है, जिसे 'खुशी अवतार' नाम दिया गया है। यह डिजिटल माध्यम टीबी मरीजों को दवा लेने की जानकारी देने, दवा छूट जाने की स्थिति में आवश्यक मार्गदर्शन देने और बीमारी से जुड़े सवालों का जवाब उपलब्ध कराने में मदद करेगा।

5 नवंबर तक राज्य स्तरीय समिति की बैठक आयोजित करने के निर्देश, जिलावार प्रत्येक प्रकरण की हुई समीक्षा

नक्सल प्रकरणों की वापसी के लिए प्रक्रिया में तेजी लाएं, 15 दिनों में जिला स्तरीय समितियों की बैठक करें - उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने आज महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर में नक्सल प्रकरणों की वापसी, आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों तथा नक्सल हिंसा से प्रभावित जवानों एवं नागरिकों के परिवारों को दी जा रही सहायता की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नक्सल प्रकरणों में निरुद्ध एवं न्यायालयों में प्रक्रियाधीन लोगों के मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की जाए। गंभीर अपराध, जनहानि तथा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) से संबंधित मामलों को छोड़कर अन्य पात्र प्रकरणों की वापसी के लिए निर्धारित प्रक्रिया को शीघ्र अंतिम रूप दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रकरणों की वापसी की कार्रवाई नियमानुसार और समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाई जाए।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बैठक में सभी जिलों से प्राप्त प्रकरण वापसी संबंधी आवेदनों की जिलावार एवं प्रकरणवार समीक्षा



की। उन्होंने अधिकारियों से प्रत्येक प्रकरण की वर्तमान स्थिति और अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी ली। उन्होंने प्रकरण वापसी के लिए प्रस्तावित संपूर्ण प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा करते हुए इसे जल्द से जल्द तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित जिलों में जिला स्तरीय प्रकरण वापसी समितियों की बैठक अगले 15 दिनों के भीतर आयोजित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही राज्य स्तरीय समिति की बैठक 5 नवंबर तक संपन्न कराने के निर्देश दिए।

अन्य राज्यों में आत्मसमर्पण करने वाले छत्तीसगढ़ के निवासियों की वापसी और पुनर्वास पर विशेष जोर

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने अन्य राज्यों में आत्मसमर्पण करने वाले छत्तीसगढ़ के निवासियों को वापस राज्य में लाने की प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे व्यक्तियों की वापसी के लिए निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया का पालन किया जाए। राज्य लौटने वाले आत्मसमर्पित व्यक्तियों को पुनर्वास केंद्रों में रखकर उनकी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप आजीविकापरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे समाज की मुख्यधारा में आत्मनिर्भर जीवन व्यतीत कर सकें।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने अब तक लगभग 900 पुनर्वासितों के राज्य वापस लौटने पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने सभी पुनर्वासितों को मोबाइल फोन और प्रशिक्षण किट उपलब्ध कराने के साथ उनके आवश्यक पहचान पत्र एवं राशन कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। उन्होंने पुनर्वास से संबंधित व्यवस्थाओं के साथ हथियारों की मैपिंग के संबंध में भी

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग क्र. 2, रामानुजगंज
जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.)
ई–प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक **29.10.2026,** (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :–

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत जी. एस.टी. छोड़ कर (लाख में)	आमंत्रण का क्रमांक
201141	08/द.ले.नि /2026–27 दिनांक 08.10.2026	घरगढ़ नाला स्टाप डेम निर्माण कार्य।	220.98	प्रथम आमंत्रण
201142	09/द.ले.नि /2026–27 दिनांक 08.10.2026	बाहरचुरा बांध का जीर्णोद्धार एवं नहर मरम्मत कार्य।	310.87	प्रथम आमंत्रण

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई–प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **15.10.2026,** समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। इस निविदा में जल संसाधन विभाग द्वारा दिनांक 01.11.2025 से अभी तक जारी समस्त निविदा पूर्व अर्हता प्रमाण पत्र मान्य होगा (प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग के पत्र क्रमांक 425001/TC/2016/सर्कू./अस्थाई./7989 रायपुर दिनांक 30.09.2026 के अनुसार)।
2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. दिनांक 01.05.2025 एवं दिनांक 08.08.2025 के जारी संशोधन के अनुसार है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्र. 2, रामानुजगंज
जिला बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.)
कृते मुख्य अभियंता
हरदेव गंगा कछार, जल संसाधन विभाग
अंबिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

262703855/3

दिनांक 08.10.2026

न्यूज इन शॉर्ट

दुर्ग के केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग, वेल्डिंग के दौरान चिंगारी भड़कने का अंदेशा, लाखों का नुकसान

दुर्ग । भिलाई के हाथखोज स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग लगने के कारण आसपास के क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस और दमकल को दी जिसके बाद दमकल को टीम मौके पर पहुंची। दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग बुझाने के काम में जुटी है।पुरानी भिलाई के हैवी इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित आग कैसे लगी फिलहाल इसकी जानकारी स्पष्ट नही हों पाई है। लेकिन बताया जा रहा है कि श्री श्याम कैमिकल फैक्ट्री में आग लगी है। फैक्ट्री में बड़े पैमाने पर कैमिकल रखा था।बताया जा रहा है कि वेल्डिंग के दौरान निकली चिंगारी केमिकल वाले ड्रम तक पहुंची और आग भड़क गई।आग के कारण मौके पर काम कर रहे कुछ मजदूर फंस गए थे। जिन्हें बड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकला गया। आग की सूचना पर जिला प्रशासन, एसीसी और बीएसपी के दमकल की गाड़ियां मौक पर पहुंचकर आग बुझाने का काम कर रही है। घटना की सूचना मिलने पर छावनी सीएसपी और पुरानी भिलाई की टीम भी मौके पर पहुंची।आग से फैक्ट्री में लाखों का नुकसान होने का अंदेशा है।

धमतरी में अवैध रेत कारोबार पर प्रशासन का बड़ा एक्शन, दो दिन में 15 वाहन जब्त, 341 प्रकरणों में 1 करोड़ 18 लाख जमा

धमतरी। जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। खनिज विभाग की टीम ने महज दो दिनों में अलग-अलग इलाकों में दबिश देकर 10 ट्रैक्टर और 05 हाईवा वाहन जब्त किए हैं। कार्रवाई के बाद खनिज कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर खनिज विभाग की टीम लगातार रेत घाटों, परिवहन मार्गों और संवेदनशील इलाकों में वाहनों की जांच कर रही है। इसी अभियान के तहत 6 अक्टूबर को अछोटा, मुड़पार, अमेठी, कलारतराई और दोनर क्षेत्र में जांच के दौरान 6 ट्रैक्टर और 1 हाईवा पकड़ा गया।इसके अगले दिन 7 अक्टूबर को अमेठी, सौंगा और रूद्री क्षेत्र में टीम ने कार्रवाई करते हुए 4 ट्रैक्टर और 4 हाईवा जब्त किए। पकड़े गए सभी वाहनों को सुरक्षार्थ कलेक्ट्रेट कम्पोजिट बिल्डिंग परिसर में रखा गया है। प्रशासन की इस कार्रवाई में बिना वैध अनुमति रेत उत्खनन और परिवहन के मामलों को पकड़ा गया है। संबंधित प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 के तहत अर्थदण्ड की कार्रवाई की जा रही है।

सितंबर तक 341 प्रकरण, 1।18 करोड़ से ज्यादा जमा

जिला खनिज अधिकारी हेमंत चेरपा ने बताया कि विभाग की कार्रवाई केवल दो दिनों तक सीमित नहीं है। 1 अप्रैल से सितंबर 2026 तक 341 प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें करीब 1 करोड़ 18 लाख रुपये खनिज मद में जमा कराए गए हैं। उन्होंने बताया कि कार्रवाई के दौरान अवैध भंडारण, अवैध परिवहन और अवैध खनन के मामलों में वाहन और मशीनरी जब्त की गई है। इसमें ट्रैक्टर, हाईवा और चैन माउंटेन जैसी मशीनों पर भी कार्रवाई शामिल है। खनिज विभाग की टीम लगातार अलग-अलग क्षेत्रों में जांच कर रही है।

प्रशासन ने साफ किया है कि बिना अनुमति रेत का उत्खनन, परिवहन या भंडारण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने के साथ वाहनों के दस्तावेज और खनिज परिवहन से संबंधित वैध अनुमति की जांच की जा रही है।कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने अधिकारियों को अवैध खनिज गतिविधियों पर लगातार नजर रखने और नियमों का उल्लंघन मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन का कहना है कि कार्रवाई का मकसद अवैध कारोबार पर रोक लगाने के साथ प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और शासन के राजस्व को होने वाले नुकसान को रोकना है।

सीएम और पूर्व सीएम ने समाजसेवा में दिए योगदान को भी किया याद

नाना पाटेकर के निधन पर छत्तीसगढ़ के नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

पद्म श्री पुरस्कार विजेता, मशहूर एक्टर नाना पाटेकर का 75 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें गोवा में कार्डियक अरेस्ट हुआ था। सीने में तेज दर्द के बाद उन्हें मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उन्हें बचाने की काफी कोशिश की गई लेकिन गुरुवार सुबह उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके निधन पर छत्तीसगढ़ के नेताओं ने भी श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री साय और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सिनेमा जगत के साथ उनके समाजसेवा में दिए योगदान को याद किया।

एक्स पर पोस्ट करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने लिखा कि भारतीय सिनेमा और रंगमंच के महान कलाकार, पद्मश्री नाना पाटेकर जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं मन को व्यथित करने वाला है। अपने सशक्त अभिनय, बेबाक व्यक्तित्व और सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पण से नाना पाटेकर जी ने कला जगत में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई। उनका निधन भारतीय कला एवं सिनेमा जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान तथा उनके परिवारजनों, प्रशंसकों एवं समस्त कला-जगत को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ? शांति।

सीएम साय ने बताया सहज व्यक्तित्व

सीएम विष्णुदेव साय ने लिखा कि भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता, रंगमंच के विलक्षण कलाकार एवं संवेदनशील समाजसेवी पद्म श्री नाना पाटेकर जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद और हृदय को व्यथित करने वाला है। अपने अद्भुत अभिनय कौशल, सहज व्यक्तित्व और सामाजिक सरोकारों के माध्यम से उन्होंने कला एवं समाजसेवा, दोनों क्षेत्रों में अपनी अमिट छाप छोड़ी। उनका निधन कला एवं सिनेमा जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनका योगदान और उनकी स्मृतियां सदैव हमारे बीच जीवित रहेंगी। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों, प्रशंसकों एवं कला-जगत से जुड़े सभी लोगों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। शांति



जल संरक्षण में अहम योगदान- भूपेश बघेल

भूपेश बघेल ने लिखा कि अपने अभिनय में देश की आत्मा और उसकी परेशानियों को जीने वाले महान अभिनेता नाना पाटेकर जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने न केवल सिनेमा में अपने किरदार को बखूबी निभाया बल्कि समाजसेवा के ज़रिए, जल संरक्षण इत्यादि विषयों पर उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा। ईश्वर उनके चाहने वालों को हिम्मत दे। ? शांति-

नक्सली पर्चों का राज खुला, दहशत फैलाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

एक सत बुलेटिन ➤ बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों के नाम पर धमकी भरे पर्चे फेंककर ग्रामीणों के बीच दहशत फैलाने के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। आवापल्ली थाना क्षेत्र के ग्राम मुरदंडा में मिले नक्सली पर्चों के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संदीप मड़कम और नागेश बोड़के के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि गांव में स्कूल भवन निर्माण के लिए जमीन से अवैध कब्जा हटाए जाने के विवाद के बाद आरोपियों ने माओवादियों के नाम का।द्यह्यश ऋद्धड्डस्र - गरबा ड्रेस पहनकर सिगरेट पीने और हथियार लहराने का वीडियो वायरल ज़्यादा जानें लोकल खबरें पढ़ें व्यापार समाचार देसी उत्पाद खोजें सहारा लेकर धमकी भरे पर्चे तैयार किए थे। इन पर्चों के जरिए गांव के जनप्रतिनिधियों और एक ग्रामीण को धमकाने की कोशिश की गई थी। जानकारी के अनुसार, 7 अक्टूबर को आवापल्ली थाना क्षेत्र के ग्राम मुरदंडा में सात धमकी भरे पर्चे मिलने से हड़कंप मच गया था। पर्चों में माओवादियों के नाम पर गांव के सरपंच नारायण काका, उपसरपंच नारायण कचलम और ग्रामीण जयमूर्ति चापड़ी को धमकी दी गई थी। गांव में इस तरह के पर्चे मिलने की सूचना पुलिस तक पहुंची, जिसके बाद आवापल्ली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की।द्यह्यश ऋद्धड्डस्र - सरगुजा ओलंपिक को लेकर एमसीबी में तैयारियां तेज, ब्लॉक और जिला स्तर की तारीखें घोषित गांव में मिले थे सात धमकी भरे पर्चे पुलिस के मुताबिक, ग्राम मुरदंडा में मिले सात पर्चों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीण को निशाना बनाया गया था। पर्चों की भाषा और धमकी देने के तरीके से माओवादियों के नाम का इस्तेमाल किए जाने की बात सामने आई। पुलिस ने पर्चों के मिलने की परिस्थितियों और उनसे जुड़े तथ्यों की पड़ताल शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने यह पता लगाने का प्रयास किया कि आखिर किन कारणों से गांव के सरपंच, उपसरपंच और एक ग्रामीण को धमकी दी गई। इसी जांच में गांव के जमीन विवाद से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई।द्यह्यश ऋद्धड्डस्र - बस्तर से सहकारिता का नया सूर्योदय, जगदलपुर में सहकारे की कार्रवाई की गई थी।

विकासखंड स्तरीय सरगुजा ओलंपिक

मनेन्द्रगढ़ में 09-10 अक्टूबर को सजेगा सरगुजा ओलंपिक का खेल मंच

सद्भावना स्टेडियम नई लेदरी सहित चार स्थानों पर होंगी विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताएं, 10 खेल विधाओं में खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

सरगुजा ओलंपिक 2026-27 के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़ विकासखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन 09 एवं 10 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस खेल महोत्सव में विकासखंड क्षेत्र के प्रतिभाशाली खिलाड़ी विभिन्न खेल विधाओं में अपनी खेल क्षमता और प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिताएं सद्भावना स्टेडियम नई लेदरी, वसुंधरा हॉल नई लेदरी, अंबेडकर भवन झगराखांड तथा दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल मनेन्द्रगढ़ में आयोजित की जाएंगी।

10 खेल विधाओं में दिखेगा खिलाड़ियों का दमखम

सरगुजा ओलंपिक का उद्देश्य क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच प्रदान करना, युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देना तथा प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। मनेन्द्रगढ़ विकासखंड स्तर पर कुल 10 प्रमुख खेल विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, कराते, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल एवं रस्साकसी शामिल हैं। एथलेटिक्स के अंतर्गत 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो तथा 4म100 मीटर रिले रेस आयोजित होगी। तीरंदाजी में इंडियन राउंड 30 मीटर एवं 50 मीटर की स्पर्धाएं होंगी। कराते में विभिन्न आयु एवं भार वर्ग के अनुसार मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। रस्साकशी केवल सीनियर महिला वर्ग के लिए प्रदर्शनात्मक खेल के रूप में आयोजित होगी।

पीएम आवास के लिए रेत मंगवाना पड़ा भारी, माइनिंग विभाग ने ट्रैक्टर किया जब्त

एक सत बुलेटिन ➤ गरियाबंद

जिले में राजनीति परिश्रय से चलने वाले अवैध रेत खदान और परिवहन का मामला किसी से छिपा नहीं है। इसी बीच माइनिंग विभाग की एक और कार्रवाई चर्चा में आ गई है। विभाग की जिला अधिकारी 7 अक्टूबर को खोखसरा में आयोजित सेवा सेतु शिविर में पहुंची थी, लौटते वक्त मूंगिया नाला के पास रेत परिवहन करते एक ट्रैक्टर को जब्त कर थाने के सुपुर्द कर दिया। अब इस कार्रवाई के विरोध में पीएम आवास का हितग्राही उतर आया है।देवभोग नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 7 में रहने वाले हितग्राही सनत नागेश ने कलेक्टर के नाम एसडीएम दफ्तर में लिखित ज्ञापन दिया है, जिसमें कहा है कि यहां के खदाने बंद है। उन्हें मौखिक रूप से बताया गया था कि रेत का इंतजाम अपने स्तर पर कर सकते हैं।सनत नागेश ने बताया कि अपने परिजन के ट्रैक्टर से वह रेत मंगवा रहा था, आवास निर्माणाधीन है, वाहन भी अपने जवाबदारी में मंगाया था, कार्रवाई होने से उसे आर्थिक और मानसिक क्षति पहुंच रही है। कलेक्टर से पीड़ित ने 3 दिन के भीतर वाहन रेत समेत छोड़ने का गुहार लगाई है। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो एसडीएम दफ्तर के सामने भूख हड़ताल पर बैठने की चेतावनी भी दे दी है।मामले में जिला खनिज अधिकारी अर्चना ठाकुर के मोबाइल में कॉल और मैसेज कर उनका पक्ष जानने की कोशिश की गई पर उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दिया है। मामले में जिला पंचायतों सीईओ प्रखर चंद्राकर ने कहा कि पीएम आवास हितग्राहियों के लिए ई पोर्टल बनाया गया है। पंजीयन कराने के निर्देश भी दिए, ताकि कोई परेशानी न हो और उन्हें बगैर रॉयल्टी के रेत उपलब्ध हो जाए। सीईओ ने मामले में संज्ञान लेने की बात कही है।

सेतु शिविर के भरी सभा में प्रभारी मंत्री दयाल दास बघेल ने पीएम आवास योजना और हितग्राहियों को दी जाने वाली सुविधा का हवाला देकर राज्य सरकार की उपलब्धियों को गिनाया था।

नक्सली पर्चों का राज खुला, दहशत फैलाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

एक सत बुलेटिन ➤ बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों के नाम पर धमकी भरे पर्चे फेंककर ग्रामीणों के बीच दहशत फैलाने के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। आवापल्ली थाना क्षेत्र के ग्राम मुरदंडा में मिले नक्सली पर्चों के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संदीप मड़कम और नागेश बोड़के के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है इन पर्चों के जरिए गांव के जनप्रतिनिधियों और एक ग्रामीण को धमकाने की कोशिश की गई थी। जानकारी के अनुसार, 7 अक्टूबर को आवापल्ली थाना क्षेत्र के ग्राम मुरदंडा में सात धमकी भरे पर्चे मिलने से हड़कंप मच गया था। पर्चों में माओवादियों के नाम पर गांव के सरपंच नारायण काका, उपसरपंच नारायण कचलम और ग्रामीण जयमूर्ति चापड़ी को धमकी दी गई थी। गांव में इस तरह के पर्चे मिलने की सूचना पुलिस तक पहुंची, जिसके बाद आवापल्ली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की।

गांव में मिले थे सात धमकी भरे पर्चे

पुलिस के मुताबिक, ग्राम मुरदंडा में मिले सात पर्चों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीण को निशाना बनाया गया था। पर्चों की भाषा और धमकी देने के तरीके से माओवादियों के नाम का इस्तेमाल किए जाने की बात सामने आई। पुलिस ने पर्चों के मिलने की परिस्थितियों और उनसे जुड़े तथ्यों की पड़ताल शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने यह पता लगाने का प्रयास किया कि आखिर किन कारणों से गांव के सरपंच, उपसरपंच और एक ग्रामीण को धमकी दी गई। इसी जांच में गांव के जमीन विवाद से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई।

स्कूल भवन निर्माण की जमीन से जुड़ा विवाद

पुलिस जांच में सामने आया कि ग्राम मुरदंडा में स्कूल भवन निर्माण के लिए निर्धारित जमीन से अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई की गई थी। इसी कार्रवाई को लेकर अवैध कब्जा हटाए जाने के विवाद के बाद गांव में भय पैदा करने की योजना बनाई।

कोयले के बाद लौह अयस्क में भी अवैध वसूली के आरोप, EOW जांच में खुलासा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोयला लेवी घोटाले की जांच में एक और बड़ा मामला सामने आया है।



आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो की जांच अब कोयला परिवहन से आगे बढ़कर लौह अयस्क और आयरन पैलेट के परिवहन तक पहुंच गई है। जांच एजेंसी के छठे पूरक अभियोग पत्र में आयरन पैलेट परिवहन पर प्रति टन 100 रुपये की कथित अवैध वसूली का उल्लेख किया गया है। वर्ष 2018 से 2023 के बीच राज्य में करीब 19.05 करोड़ टन लौह अयस्क का उत्पादन हुआ था। यदि इस पूरी मात्रा पर 100 रुपये प्रति टन की दर लागू की जाए, तो अनुमानित रकम 1,905 करोड़ रुपये होती है। हालांकि, यह गणना है, इतनी राशि की वास्तविक अवैध वसूली अभी प्रमाणित नहीं हुई है।

नई शुरुआत

निर्धारित यूआईडीएआई सीमा समाप्त हो चुनोटरीकृत अनुलग्नक संलग्न करना होगा

आधार सेवाओं और विवरण संशोधन के लिए यूआईडीएआई की नवीन मानक लागू

एक सत बुलेटिन ➤ उत्तर बस्तर कांकेर

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण यूआईडीएआई द्वारा आधार नामांकन एवं आधार में विवरण संशोधन से संबंधित नवीन मानक संचालन प्रक्रिया लागू की गई है। इस परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि आधार नामांकन अथवा आधार में किसी भी प्रकार का विवरण अपडेट कराते समय निर्धारित नियमों तथा श्रेणीवार आवश्यक मूल दस्तावेजों का अनिवार्य रूप से पालन करें। इससे आधार संबंधी कार्यों का सुचारू, पारदर्शी एवं त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा सकेगा।यूआईडीएआई द्वारा नाम परिवर्तन की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए अलग-अलग श्रेणियों में नियम निर्धारित किए गए हैं। मामूली बदलाव जैसे नाम की वर्तनी में सुधार, नाम का क्रम बदलना, इनिशियल लिखना अथवा



मिडिल नेम/सरनेम जोड़ने या हटाने के लिए आवेदक को नाम वाला वैध पहचान प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। यदि आधार में नाम की प्रविष्टि ऑपरेटर की गलती से गलत हो गई है, तो 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के आवेदक के लिए अनुबंध-बी तथा 18 वर्ष से कम आयु के आवेदक के लिए अनुबंध-सी के निर्धारित पत्र एवं मूल दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा। विवाह अथवा तलाक के बाद सरनेम या नाम में बदलाव के लिए मूल विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र अथवा सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी दस्तावेज के साथ अनुबंध-डी तथा पहचान प्रमाण प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। पूर्ण या बड़ा नाम परिवर्तन के मामले में भारत सरकार अथवा राज्य सरकार द्वारा जारी वैध राजपत्र अधिसूचना तथा पुराने नाम का मूल फोटो पहचान प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। आधार में दर्ज नाम से 'उर्फ' हटाने के लिए यूआईडीएआई द्वारा निर्धारित पृथक प्रक्रिया एवं आवश्यक शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा।

जन्म तिथि संशोधन के लिए भी विशेष नियम

18 वर्ष से कम आयु के बच्चों की जन्म तिथि में संशोधन के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी वैध डिजिटल एवं क्यूआर कोड युक्त जन्म प्रमाण पत्र अनिवार्य होगा। वहीं 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के आवेदकों के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी वैध डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र अथवा मान्यता प्राप्त बोर्ड की 10वीं कक्षा की मूल अंकसूची मान्य होगी। यदि पूर्व में ऑपरेटर की गलती से जन्म तिथि गलत दर्ज हो गई हो अथवा जन्म तिथि संशोधन की निर्धारित यूआईडीएआई सीमा समाप्त हो चुनोटरीकृत अनुलग्नक संलग्न करना होगा।

भारत से एशियाड का फाइनल हारने पर बोला पाकिस्तानी बैटर



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पाकिस्तानी बैटर हसन नवाज ने कहा कि भारत के खिलाफ एशियन गेम्स फाइनल हारने का दर्द अब भी उन्हें परेशान करता है। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी गलतियों की वजह से पाकिस्तान को हार मिली। भारत ने पिछले हफ्ते जापान में पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराकर गोल्ड जीता था। इस मैच में नवाज ने 96 रन बनाए थे नवाज ने बुधवार को रावलपिंडी में मीडिया से बातचीत में कहा कि वे अपनी पारी से संतुष्ट हैं। वे अपने प्लांस के हिसाब से बैटिंग कर रहे थे। हसन नवाज ने कहा, 'मुझे लगता है कि फाइनल अब खत्म हो चुका है और क्रिकेट तथा मैच आगे भी जारी रहेंगे। हमसे भी गलतियां होती रहेंगी। लेकिन, उन्हें हराने के लिए हमें अपनी गलतियों से सीखना होगा और बेहतर बनना होगा।%

जमीनी स्तर के क्रिकेट से खेल पर काम किया

2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ञ्च20ढ्ढ शतक लगाकर इंटरनेशनल क्रिकेट में आने वाले नवाज ने अपने खेल पर काम करने का तरीका भी बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने जमीनी स्तर का क्रिकेट खेलकर अपने खेल को बेहतर कर रहे हैं। नवाज ने कहा, 'इन मैचों में मिलने वाले गेंदबाज और पिच आपको मुश्किल हालात में बेहतर खिलाड़ी बनने में मदद करते हैं।इंटरनेशनल क्रिकेट में आपको बेहतर हालात में बैटिंग करने का मौका मिलता है, तो इससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ता है।

श्रीलंका और इंग्लैंड सीरीज पर नजर

नवाज ने कहा कि वे बहुत आगे के बारे में नहीं सोचते। अब उनका ध्यान घरेलू व्हाइट-बॉल सीरीज में श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखने पर है।उन्होंने कहा, 'आपके पास एक योजना होती है और आपको उसी पर कायम रहना होता है। उतार-चढ़ाव हमेशा आते रहते हैं।'

प्रधानमंत्री 15 अक्टूबर को एशियन गेम्स के मेडलिस्ट से मिलेंगे



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अक्टूबर को एशियन गेम्स 2026 के भारतीय पदक विजेताओं से मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात ढ्ढक्रू आवास में होगी। यह जानकारी ढ्ढह्र के सूत्रों ने भास्कर को दी।

श्रीलंका के धनंजय डी सिल्वा ने टेस्ट कप्तानी छोड़ी



कहा- अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपने का समय, बतौर खिलाड़ी उपलब्ध रहेंगे

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

श्रीलंका के टेस्ट कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने तत्काल प्रभाव से पद छोड़ दिया। उन्होंने गुरुवार को कहा कि अब जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को सौंपने का समय है।35 साल के धनंजय ने चयन समिति को पत्र भेजकर अपने फैसले की जानकारी दी। वे खिलाड़ी के तौर पर चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।धनंजय ने जनवरी 2024 में दिमुथ करुणारत्ने की जगह टेस्ट कप्तानी संभाली थी। उन्होंने 69 टेस्ट में 4,400 से ज्यादा रन बनाए हैं। इसमें 13 शतक शामिल हैं।

धनंजय ने बतौर कप्तान आखिरी मैच भारत के खिलाफ खेला था। उन्होंने 23 से 27 अगस्त तक खेले गए इस मैच में 8 और 23 रन बनाए थे।धनंजय ने बतौर कप्तान आखिरी मैच भारत के खिलाफ खेला था। उन्होंने 23 से 27 अगस्त तक खेले गए इस मैच में 8 और 23 रन बनाए थे।

पत्र में लिखा- मेरी राय, अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपे

धनंजय डी सिल्वा ने श्रीलंका की चयन समिति को लिखे पत्र में कहा, 'मेरी ईमानदार राय है कि जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को सौंप देनी चाहिए।'

पैरा शूटर्स बोले- इनकार किया तो एशियन गेम्स के लिए सिलेक्शन नहीं हुआ, जांच की मांग

दावा- खिलाड़ियों से इनाम में 20 प्रतिशत कमीशन मांग रहे अधिकारी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पैरा एशियन गेम्स के लिए भारतीय दल के सिलेक्शन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। एशिया के नंबर-1 और नंबर नंबर-3 पिस्टल शूटर आकाश और संदीप कुमार ने दावा किया है कि- अधिकारियों ने उनसे कहा कि अगर इवेंट में मेडल आता है और सरकार उस पर इनाम देती है तो 20त्न रकम कमीशन के दौर पर देनी होगी।शूटर्स ने बताया कि पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों और शूटिंग टेक्निकल कमेटी के सदस्य कमीशन मांगने वाले लोगों में शामिल हैं। शूटर्स ने क्वॉलिफाइंग स्कोर में हेरफेर और चयन समिति में बदलाव किए जाने के आरोप भी लगाए हैं।

खिलाड़ियों ने ह्लढ्ढ महानिदेशक से पूरे मामले की जांच की मांग की है। पांचवें पैरा एशियन गेम्स 18 से 14 अक्टूबर तक जापान के आइची-नागोया में होना है। यहीं 20वें एशियन गेम्स भी हुए हैं।



इंटरनेशनल कोटे में भी हेरफेर का आरोप

शूटर्स ने दावा किया कि भारत को मिले 15 अंतर्राष्ट्रीय कोटा स्थानों में से दो का इस्तेमाल नहीं किया गया। आरोप है कि अगली रैंकिंग के खिलाड़ियों ने कथित वित्तीय मांगें पूरी करने से इनकार किया, इसलिए ये स्थान सरेंडर कर दिए गए।खिलाड़ियों ने वाइल्ड कार्ड और कोटा स्थानों के आवंटन में रैंकिंग और प्रदर्शन के बजाय वित्तीय आधार पर फैसला लेने का भी आरोप लगाया है।

एशिया नंबर-1 शूटर को नहीं चुने जाने पर सवाल

50 मीटर फ्री पिस्टल स।1 में एशिया रैंकिंग में तीसरे नंबर के संदीप कुमार ने दावा किया किया कि उन्हें और आकाश पीछे छोड़कर एशिया रैंकिंग में 14वें नंबर के रुद्राक्ष खंडेलवाल का चयन किया गया।

व्यापार

सेंसेक्स 319, निफ्टी 126 अंक ऊपर आया

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद



मुंबई । भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच व्यापार करार से भी बाजार में उत्साह आया और वह उछला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 319.78 अंक बढ़कर 81,857.48 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.75 अंक ऊपर आकर 25,175.40 पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी मेटल और बैंकिंग शेयरों के कारण आई। इस कारण निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी कमोडिटीज , निफ्टी इंडिया डिफेंस निफ्टी पीएसई और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी मीडिया , निफ्टी ऑटो , निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल् के शेयर गिरावट पर बंद हुए। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 338 अंक बढ़कर 57,483.65 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 66.60 अंक उछलकर 16,419.35 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, बीईएल, आईसीआईसीआई बैंक, इंडिगो, एलएंडटी, एचडीएफसी बैंक, ट्रेंट, इन्फोसिस, एचसीएल के शेयर लाभ में रहे जबकि एमएंडएम, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, इटरनल, मारुति सुजुकी, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाइटन, एचयूएल और भारती एयरटेल के शेयर गिरे। बाजार में आज के सत्र में उतार-चढ़ाव हावी रहा पर यूरोपीय यूनिया से करार से बाजार को बल मिला पर बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ने के डर के कारण ऑटो और बेवरेज शेयर नीचे आये। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट साथ खुले। सेंसेक्स 81,436 अंक पर लगभग सपाट खुला, लेकिन कुछ ही देर में बिकवाली हावी हो गई।

अदाणी समूह और एम्ब्रेयर भारत में क्षेत्रीय विमान निर्माण में करेंगे साझेदारी

नई दिल्ली । अदाणी समूह और ब्राजील की प्रमुख विमान निर्माता कंपनी एम्ब्रेयर ने मंगलवार को एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह कदम भारत के तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजार में छोटे और मझोले शहरों के हवाई संपर्क को बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया गया है। इस अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी में नागर विमानन मंत्रालय में आयोजित समारोह में सहयोग की घोषणा की गई। नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि यह सहयोग केवल विमानों के संयोजन तक सीमित नहीं है। इसमें प्रगतिशील प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशल विकास, सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला और भारत को क्षेत्रीय विमानों का एक विश्वसनीय विनिर्माण केंद्र बनाने की योजना शामिल है। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस सहयोग के तहत भारत में एक क्षेत्रीय विमान विनिर्माण संयंत्र स्थापित किया जाएगा। दोनों कंपनियां भारत में क्षेत्रीय परिवहन विमानों के लिए एक फाइनल असेंबली लाइन भी स्थापित करेंगी। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के एक अधिकारी ने कहा कि यह कदम देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। एम्ब्रेयर 150 सीट तक के वाणिज्यिक जेट विमानों का निर्माण करती है और भारत में इस साझेदारी के माध्यम से लागत प्रतिस्पर्धी माहौल तैयार करने की योजना है। इस साझेदारी से अदाणी समूह भारतीय विमानन उद्योग में विमान निर्माण के क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है। साथ ही यह एम्ब्रेयर को भारत में अपने क्षेत्रीय विमानों के लिए मजबूत बाजार और उत्पादन क्षमताएँ विकसित करने में मदद करेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, यह कदम भारत के नागर विमानन क्षेत्र में नई तकनीकी संभावनाएँ और क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ावा देने में सहायक होगा।





चांदी के वायदा भाव में भी जोरदार तेजी दर्ज की गई

सोना 1.59 लाख और चांदी के भाव 3.59 लाख के पार

नई दिल्ली । सोने और चांदी के वायदा भाव में मंगलवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। घरेलू बाजार में दोनों कीमती धातुएं ऑल टाइम हाई स्तर पर पहुंच गईं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना और चांदी रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार करते नजर आए, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बीते सत्र में नया उच्च स्तर बनाने के बाद आज इनमें हल्की नरमी देखी गई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट मजबूत शुरुआत के साथ 2,637 रुपये की तेजी लेकर 1,58,674 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,56,037 रुपये था। इस समय सोने का वायदा भाव 2,447 रुपये की तेजी के साथ 1,58,484 रुपये पर कारोबार कर रहा था। कारोबारी सत्र के दौरान सोने ने 1,59,820 रुपये का उच्च स्तर छू लिया, जबकि दिन का निचला स्तर 1,57,500 रुपये रहा। चांदी के वायदा भाव में भी जोरदार तेजी दर्ज की गई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 5,125 रुपये की बढ़त के साथ 3,39,824 रुपये प्रति किलो पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 3,34,699 रुपये था। इस समय चांदी का वायदा भाव 21,287 रुपये की तेजी के साथ 3,55,986 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रहा था।





सत्र के दौरान चांदी ने 3,59,800 रुपये प्रति किलो का सर्वोच्च स्तर छू लिया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो कॉमेक्स पर सोना और चांदी रिकॉर्ड तेजी के बाद आज कुछ नरम पड़े। सोना 5,005.50 डॉलर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने के समय 15.10 डॉलर की गिरावट के साथ 5,067.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। हालांकि, इसने दिन में 5,107.90 डॉलर का उच्च स्तर छुआ। वहीं, चांदी 104.01 डॉलर प्रति औंस पर खुली और 4.65 डॉलर की गिरावट के साथ 110.85 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखी, जबकि इसका उच्चतम स्तर 117.70 डॉलर रहा।

बैंकों की हड़ताल: डिजिटल और एटीएम सेवाएं जारी रहेंगी



नई दिल्ली । बैंक यूनियनों की तरफ से मंगलवार को पूरे दिन हड़ताल का ऐलान किया गया है। इस वजह से बैंक शाखाओं में कामकाज थोड़ी देर के लिए प्रभावित हो सकता है। कई कर्मचारी और अधिकारी हड़ताल में शामिल रहेंगे, लेकिन बैंक और सरकार ने ग्राहकों की परेशानी कम करने के लिए तैयारियां की हैं। बैंकों ने भरोसा दिलाया है कि एटीएम में पर्याप्त नकदी उपलब्ध है और जरूरत पड़ने पर समय पर कैश भरा जाएगा। इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, कार्ड पेमेंट और अन्य डिजिटल सेवाएं सामान्य रूप से काम करती रहेंगी। सरकारी लेन-देन और अन्य जरूरी बैंकिंग सेवाएं जारी रहेंगी। ग्रामीण और दूरदराज इलाकों में बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट के जरिए भी सेवाएं दी जाएंगी। सोमवार को वित्तीय सेवा विभाग के सचिव की अध्यक्षता में बैठक हुई।



आकाशवाणी' बना जंतर-मंतर

वपक्ष के 'इंडी' गठबंधन ने 'सेव डेमोक्रेसी मार्च' निकाला, लेकिन वह हुजूम के अलावा कुछ भी साबित नहीं हुआ। अंतत- विरोध-प्रदर्शन 'बंजर' ही रहा। यदि विपक्ष को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और दो चुनाव आयुक्तों से मिल कर अपना ज्ञापन सौंपना था, तो संवैधानिक संस्था के प्रोटोकॉल के मुताबिक, समय मांगना चाहिए था। करीब 200 या 300 सांसद एकसाथ चुनाव आयोग में न तो जा सकते हैं और न ही कोई सार्थक संवाद संभव है, लिहाजा विपक्ष के 5-7 नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल तय किया जाना चाहिए था, जो चुनाव आयोग में संवाद कर सकता था। बैरिकेड्स पर चढऩा, अपनी पहलवानी मुद्राएं दिखाना और अनाप-शनाप नारेबाजी करने से न तो सत्ताएं घबराती हैं और न ही सीईसी ज्ञानेश कुमार गुप्ता डर कर इस्तीफा दे सकते हैं। उन्हें भी संविधान का संरक्षण हासिल है। सवाल आंदोलन की नीयत और हुजूम की अराजकता का भी है। जब विपक्ष को चुनाव आयोग के मुख्यालय तक मार्च करना था, तो लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, उनकी सांसद बहन प्रियंका गांधी और कुछ पिछलग्गू कांग्रेसी सांसद अचानक 'आकाशवाणी भवन' में क्यों घुस गए? वहां सरकारी दफ्तर हैं, जो कामकाज करते रहते हैं। उन्हें बाधा पहुंचाना भी दंडनीय अपराध है। कांग्रेस गच्चा देकर चुनाव आयोग तक पहुंचने की 'पहलवानी' की रणनीति खेल रही होगी, क्योंकि 'आकाशवाणी' के पिछले दरवाजे से आयोग का मुख्य दरवाजा कुछ मीटर के फासले पर ही था, लेकिन सुरक्षा-व्यवस्था अपेक्षाकृत ज्यादा चौकन्नी होती है।वह दरवाजा स्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। अंतत- राहुल गांधी और सहयोगी प्रदर्शनकारियों को हार कर, 'आकाशवाणी भवन' के भीतर ही, बरगद के पुराने पेड़ की छाया में, कथित धरना देना पड़ा। यह नेता प्रतिपक्ष के संवैधानिक पद के प्रति सम्मान का भाव ही था कि पुलिस अधिकारी और बाद में गृह मंत्रालय के आला अफसरों ने राहुल गांधी को समझाया कि 'आकाशवाणी भवन' जंतर-मंतर नहीं है।

विचार

अचूक, अभेद्य और सटीक भारतीय वायु सेना

प्रोफेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय

लेखक

2022 से लगातार पांचवें साल, भारतीय वायु सेना दुनिया भर में अमेरिका और रूस के बाद तीसरे स्थान पर है। यह युद्ध में खुद को साबित कर चुकी और अनुभवी सेना है। साथ ही, यह इस क्षेत्र की एकमात्र ऐसी वायु सेना है जो लगातार युद्ध अभियानों में शामिल रही है। 2019 में बालाकोट, 2020 से 2025 तक लद्दाख एल ए सी गतिरोध और मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों ने भारतीय वायु सेना की लंबी दूरी तक हमला करने और हवाई सुरक्षा की क्षमताओं को दिखाया है। ऑपरेशन का अनुभव इसकी एक बड़ी ताकत है।

भारतीय वायु सेना 8 अक्टूबर को अपनी 94वीं वर्षगांठ मना रही है। अमेरिका और रूस के बाद लगातार पांचवें साल दुनिया की तीसरी सबसे ताकतवर वायु सेना बनी आईएएफ के पास 250 से अधिक सुखोई-30एमकेआई और राफेल जैसे आधुनिक लड़ाकू विमान हैं। वायु सेना अपनी सामरिक ताकत का भव्य फ्लाई-पास्ट इस साल वाराणसी में आयोजित करेगी।

भारतीय वायु सेना (आई. ए. एफ.) आज (8 अक्टूबर, 2026) अपनी 94वीं वर्षगांठ मना रही है। यह दिन हवाई सुरक्षा, रणनीतिक प्रतिरोध और मानवीय सेवा के लगभग एक सदी के सफल सफर को दर्शाता है।भारतीय वायु सेना दिवस हर साल 8 अक्टूबर को मनाया जाता है, जो 1932 में हमारी वायु सेना की आधिकारिक स्थापना की याद दिलाता है। ब्रिटिश शासन के दौरान रॉयल इंडियन एयर फ़ोर्स के रूप में स्थापित, वायु सेना ने 1950 में अपने नाम से ÷रॉयल÷ शब्द हटा दिया। यह दिन उन वायु योद्धाओं (सेवानिवृत्त एवं सेवारत) के साहस, पेशेवर रवैये और बलिदान का सम्मान करता है, जो शांति और संघर्ष के समय भारत के हवाई क्षेत्र, सीमाओं और नागरिकों की रक्षा करते हैं।भारतीय वायु सेना दिवस समारोह भव्यता, सटीकता और टेक्नोलॉजी के प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं। सालाना एयर डिस्प्ले और फ्लाईपास्ट में फाइटर जेट, ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टर के तालमेल वाले हवाई करतब शामिल होते हैं। एयर-वॉरियर परेड में पुरुष और महिला दोनों तरह के कर्मियों का सटीक तालमेल वाला मार्च होता है, जो अनुशासन और मिलिट्री अंदाज़ को दिखाता है।फ्लाई-पास्ट कार्यक्रम को आम जनता तक पहुँचाने के लिए हर साल जगहें बदली जाती हैं, जैसे हिंडन एयर फ़ोर्स बेस, चंडीगढ़ और प्रयागराज। इस साल वाराणसी में 22, 23 और 25 अक्टूबर को फ्लाई-पास्ट डिस्प्ले होगा।



थीम-बेस्ड कैंपेन में प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) और रक्षा मंत्रालय की तरफ़ से ऑफिशियल प्रमोशनल रिलीज़ शामिल हैं, जिनमें डायनामिक वीडियो कंटेंट होता है, जैसे 2026 का कैंपेन जिसकी थीम है, ÷इंडियन एयर फ़ोर्स- अचूक, अभेद्य और सटीक।2022 से लगातार पांचवें साल, भारतीय वायु सेना दुनिया भर में अमेरिका और रूस के बाद तीसरे स्थान पर है। यह युद्ध में खुद को साबित कर चुकी और अनुभवी सेना है। साथ ही, यह इस क्षेत्र की एकमात्र ऐसी वायु सेना है जो लगातार युद्ध अभियानों में शामिल रही है। 2019 में बालाकोट, 2020 से 2025 तक लद्दाख एल ए सी गतिरोध और मई 2025 में %ऑपरेशन सिंदूर% जैसे अभियानों ने भारतीय वायु सेना की लंबी दूरी तक हमला करने और हवाई सुरक्षा की क्षमताओं को दिखाया है। ऑपरेशन का अनुभव इसकी एक बड़ी ताकत है।भारतीय वायु सेना 250 से ज़्यादा एसयू-30एम के आई एयर-डोमिनेंस फाइटर जेट्स का संचालन करती है। इन्हें एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड एरे रडार और अस्त्र मार्क2 मिसाइलों के साथ %सुपर सुखोई% मानकों के अनुसार अपग्रेड किया जा रहा है। राफेल 4.5-जेनरेशन फाइटर जेट्स, जो मीटियोर और स्कैल्प मिसाइलों और एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सूट से लैस हैं, ऑपरेशन सिंदूर में बहुत असरदार साबित हुए। जल्द ही राफेल का एक नया वेरिएंट आने की उम्मीद है। तेजस मार्क-1, अपग्रेडेड मिग-29यूपीजी, मिराज-2000 और जगुआर फाइटर जेट्स जैसे अन्य प्लेटफॉर्म भी अलग-अलग तरह की ऑपरेशनल क्षमताएं प्रदान करते हैं। लेह (10,700 फीट की ऊंचाई) से लेकर कार की क्षमता इसे क्षेत्र की एकमात्र ऐसी वायु सेना बनाती है।

विचार

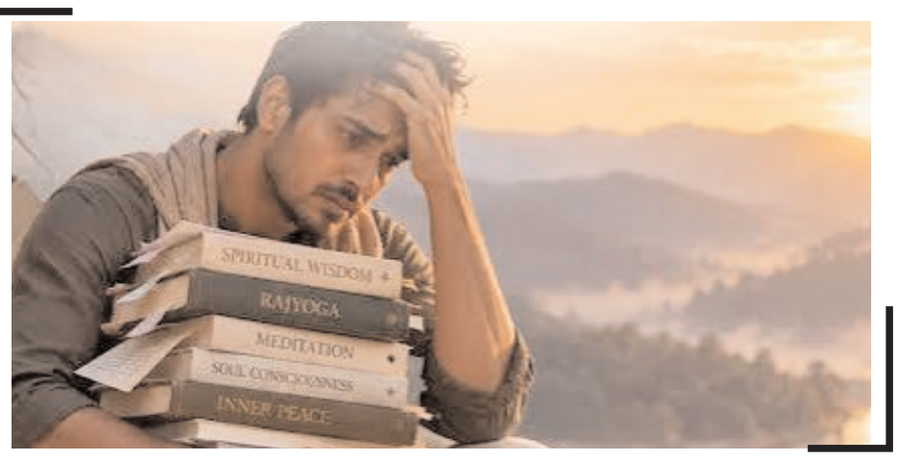
समय जिया, या जीवन?

अनिल सोनम

लेखक

सुबह से रात तक भागते-भागते हममें से अधिकांश लोग जब बिस्तर पर पहुंचते हैं, तो सोचते हैं कि आज बहुत काम किया। लेकिन क्या सचमुच बहुत काम किया, या केवल बहुत व्यस्त रहे? इन दोनों बातों में उतना ही अंतर है जितना यात्रा और भटकाव में। दोनों में चलना तो होता है, लेकिन एक हमें मंजिल तक पहुंचाता है और दूसरा केवल थका देता है। आज का मनुष्य पहले से कहीं अधिक व्यस्त है। उसके पास पहले से अधिक साधन हैं, पहले से अधिक अवसर हैं, पहले से अधिक गति है। फिर भी उसके भीतर यह शिकायत लगातार सुनाई देती है कि समय नहीं मिलता। समस्या समय की नहीं है। समस्या यह है कि हमने समय को यूं ही भरना शुरू कर दिया है, लेकिन जीवन को भरना नहीं सीखा। व्यस्तता समय भरती है, सार्थकता जीवन भरती है। अंतत- प्रश्न यह नहीं रहेगा कि हम कितने वर्ष जी लिए, प्रश्न यह रहेगा कि उन वर्षों में हमने वास्तव में कितना जीवन जिया। जिससे पूछें वही कहता है कि मैं बहुत व्यस्त हूं, व्यस्त होना मानो सफलता का प्रमाणपत्र बन गया है। यदि कोई व्यक्ति कह दे कि उसके पास सोचने का समय है, परिवार के साथ बैठने का समय है, पढऩे का समय है या चुपचाप बैठने का समय है, तो लोग उसे कम महत्वाकांक्षी समझ लेते हैं। हमने व्यस्तता को उपलब्धि का पर्याय बना दिया है।

अधिकांश लोग अपना दिन उन कामों में निकाल देते हैं जो तत्काल ध्यान मांगते हैं- फोन, संदेश, ई-मेल, छोटी-छोटी समस्याएं, अचानक आई मांगें। लेकिन जो काम वास्तव में जीवन बदल सकते हैं, जैसे सीखना, स्वास्थ्य पर ध्यान देना, परिवार के साथ समय बिताना, भविष्य की योजना बनाना, किसी बड़े लक्ष्य पर निरंतर काम करना- वे अक्सर 'कल' के लिए टलते रहते हैं। धीरे-धीरे पूरा जीवन तात्कालिक कामों की आग बुझाने में निकल जाता है और महत्वपूर्ण काम अधूरे रह जाते हैं। बाहर से देखने पर हम अत्यंत व्यस्त दिखाई देते हैं, लेकिन असल में हम अस्त-व्यस्त होते हैं। पारेटो सिद्धांत या 80/20 का सिद्धांत भी इसे समझने में हमारी सहायता करता हैज्सुबह से रात तक भागते-भागते हममें से अधिकांश लोग जब बिस्तर पर पहुंचते हैं, तो सोचते हैं कि आज बहुत काम किया। लेकिन क्या सचमुच बहुत काम किया, या केवल बहुत व्यस्त रहे? इन दोनों बातों में उतना ही अंतर है जितना यात्रा और भटकाव में। दोनों में चलना तो होता है, लेकिन एक हमें मंजिल तक पहुंचाता है और दूसरा केवल थका देता है। आज का मनुष्य पहले से कहीं अधिक व्यस्त है। उसके पास पहले से अधिक साधन हैं, पहले से अधिक अवसर हैं, पहले से अधिक गति है। फिर भी उसके भीतर यह शिकायत लगातार सुनाई देती है कि समय नहीं मिलता। समस्या समय की नहीं है। समस्या यह है कि हमने समय को यूं ही भरना शुरू कर दिया है, लेकिन जीवन को भरना नहीं सीखा। व्यस्तता समय भरती है, सार्थकता जीवन भरती है। अंतत- प्रश्न यह नहीं रहेगा कि हम कितने वर्ष जी लिए, प्रश्न यह रहेगा कि उन वर्षों में हमने वास्तव में कितना जीवन जिया। जिससे पूछें वही कहता है कि मैं बहुत व्यस्त हूं, व्यस्त होना मानो सफलता का प्रमाणपत्र बन गया है। यदि कोई व्यक्ति कह दे कि उसके पास सोचने का समय है, परिवार के साथ बैठने का समय है, पढऩे का समय है या चुपचाप बैठने का समय है, तो लोग उसे कम महत्वाकांक्षी समझ लेते हैं। हमने व्यस्तता को उपलब्धि का पर्याय बना दिया है। लेकिन जरा ठहरकर पूछें कि क्या हर भागता हुआ व्यक्ति सही दिशा में भी जा रहा है? यदि कोई पूरी गति से गलत दिशा में दौड़ रहा हो, तो उसकी गति उसे मंजिल के निकट नहीं, उससे और दूर ले जाएगी। इसलिए जीवन में गति से पहले दिशा का होना आवश्यक है। प्रसिद्ध विचारक स्टीफन कोवी ने आधुनिक प्रबंधन का



एक महत्वपूर्ण सिद्धांत दिया है कि जीवन की सबसे बड़ी चुनौती केवल समय का प्रबंधन नहीं, बल्कि महत्वपूर्ण और तात्कालिक आवश्यक कार्यों के बीच अंतर समझना है।

अधिकांश लोग अपना दिन उन कामों में निकाल देते हैं जो तत्काल ध्यान मांगते हैं- फोन, संदेश, ई-मेल, छोटी-छोटी समस्याएं, अचानक आई मांगें। लेकिन जो काम वास्तव में जीवन बदल सकते हैं, जैसे सीखना, स्वास्थ्य पर ध्यान देना, परिवार के साथ समय बिताना, भविष्य की योजना बनाना, किसी बड़े लक्ष्य पर निरंतर काम करना- वे अक्सर 'कल' के लिए टलते रहते हैं। धीरे-धीरे पूरा जीवन तात्कालिक कामों की आग बुझाने में निकल जाता है और महत्वपूर्ण काम अधूरे रह जाते हैं। बाहर से देखने पर हम अत्यंत व्यस्त दिखाई देते हैं, लेकिन असल में हम अस्त-व्यस्त होते हैं। पारेटो सिद्धांत या 80/20 का सिद्धांत भी इसे समझने में हमारी सहायता करता है। इसका सार यह है कि हमारे जीवन के लगभग बीस प्रतिशत कार्य ही अस्सी प्रतिशत परिणाम उत्पन्न करते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि हम अपना अधिकांश समय उन अस्सी प्रतिशत कार्यों में लगा देते हैं जिनका वास्तविक प्रभाव लगभग बीस प्रतिशत होता है। दिन भर छोटे-छोटे काम निपटते रहते हैं, लेकिन जीवन वहीं का वहीं खड़ा रहता है, क्योंकि हमने काम तो बहुत किए, लेकिन वे काम हमारे जीवन की दिशा से जुड़े ही नहीं थे। आज तकनीक ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। पहले हमारा ध्यान कुछ ही चीजों में बंटता था, अब हर कुछ मिनट में कोई न कोई स्क्रीन, संदेश या सूचना हमें पुकारती रहती है। दिन भर ऐसा लगता है कि हम लगातार काम कर रहे हैं, जबकि वास्तविकता यह होती है कि हमारा ध्यान दर्जनों टुकड़ों में बंटा रहता है और गहरे चिंतन वाले कार्य, रचनात्मक सोच और एकाग्र प्रयास के लिए समय ही नहीं बचता। जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में कंप्यूटर विज्ञान के प्रोफेसर और प्रसिद्ध अमरीकी लेखक कैल न्यूपोर्ट ने इसे डीप वर्क, यानी गहन एकाग्रता से किया जाने वाला कार्य बताते हुए कहा है कि वास्तविक उपलब्धियां उसी समय जन्म लेती हैं जब हम बिना व्यवधान के किसी महत्वपूर्ण कार्य पर गहराई से ध्यान लगा पाते हैं। यदि हमारा ध्यान हर पांच मिनट में टूटता रहेगा, तो हमारी व्यस्तता तो बढ़ेगी, लेकिन हमारी सार्थक उत्पादकता नहीं। एक प्रश्न और भी महत्वपूर्ण है कि क्या हमने अपने जीवन का कोई लक्ष्य तय किया भी है?यदि लक्ष्य ही स्पष्ट नहीं है, तो व्यस्तता का मूल्यांकन कैसे होगा? जिस व्यक्ति को अपनी मंजिल ही नहीं मालूम, उसके लिए हर रास्ता सही लगता है। वह हर अवसर को पकडऩा चाहता है, हर निमंत्रण स्वीकार करना चाहता है, हर काम अपने हाथ में लेना चाहता है। परिणाम यह होता है कि वह बहुत कुछ करता है, लेकिन बहुत कम रचता है। घड़ी उसे समय तो बता देती है, पर दिशा नहीं।

(एक नजर)

एक साथ 2 बड़े ग्रह होंगे वक्री!

ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों की चाल और उनकी स्थिति में होने वाले बदलाव का सीधा असर मानव जीवन और देश-दुनिया पर पड़ता है। अक्टूबर का महीना इस लिहाज से बेहद खास रहने वाला है, क्योंकि इस अवधि में धन, ऐश्वर्य और सुख के कारक शुक्र के साथ-साथ बुद्धि, व्यापार और वाणी के दाता बुध वक्री होने जा रहे हैं।द्रिक पंचांग के अनुसार, 3 अक्टूबर 2026 को शुक्र वक्री हो चुके हैं और इसके बाद 24 अक्टूबर 2026 को बुध भी अपनी चाल बदलकर वक्री हो जाएंगे। जब दो प्रमुख ग्रह उल्टी चाल चलते हैं, तो उसका प्रभाव करियर, कारोबार, आर्थिक स्थिति और पारिवारिक रिश्तों पर गहराई से पड़ता है। आइए जानते हैं कि शुक्र और बुध के इस बड़े गोचर का सभी 12 राशियों में से किन 5 विशेष राशियों पर क्या प्रभाव पड़ेगा और किसे सतर्क रहने की जरूरत है।अक्टूबर के महीने में जब शुक्र और बुध दोनों ही वक्री अवस्था में होंगे, तब विशेष रूप से वित्तीय लेनदेन, कागजी दस्तावेजों और दस्तखत करने के मामलों में अत्यधिक सतर्कता बरतनी चाहिए। बुध की वक्री चाल कम्यूनिकेशन और बिजनेस में गलतफहमी पैदा कर सकती है, जबकि शुक्र की उल्टी चाल फिजूलखर्ची और रिश्तों में खटास ला सकती है।

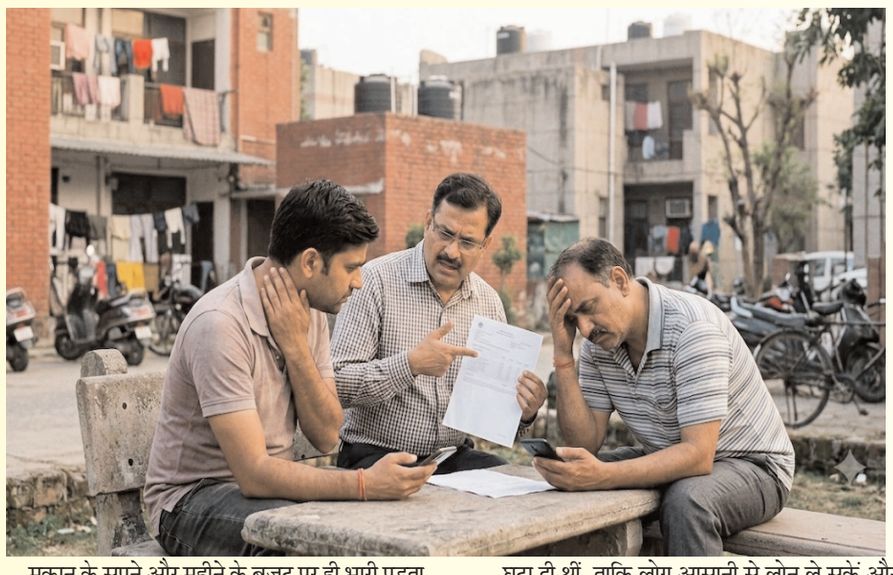
विचार

महंगाई में पिसेगी ईएमआई

धीरेंद्र राय,

लेखक

साढ़े तीन साल बाद रिजर्व बैंक ने रेपो रेट बढ़ा दिया। महंगे होते कच्चे तेल और भड़कती महंगाई पर काबू पाने के लिए उठाया गया यह कदम भले ही ईएमआई और सरकार के हिसाब-किताब को दुरुस्त कर दे, लेकिन होम लोन की बढ़ती ईएमआई और रोजमर्रा के बढ़ते खर्चों के बीच सबसे ज्यादा पिसना आम मध्यमवर्गीय परिवार को ही है।कनीकी रूप से बताया जाए तो रेपो रेट वह ब्याज दर होती है जिस पर रिजर्व बैंक देश के कमर्शियल बैंकों को उनके दैनिक कामकाज के लिए कर्ज देता है। देखने-सुनने में यह भले दो बैंकों के बीच की बात लगे, लेकिन जैसे ही रेप रेप बढ़ने की खबर आती है, आम आदमी की जेब पर इसका असर बेहद पेंचीदा और खर्चीला हो जाता है। साढ़े तीन साल बाद ऋछ ने रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी की है। इसके पीछे तर्क ये दिया गया है कि ईरान वॉर के कारण देश में बढ़ती महंगाई को 6 फीसदी के भीतर रोके रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। रिजर्व बैंक की दलील और उसके सामने के हालात अपनी जगह है, लेकिन आपकी और हमारी रसोई तक पहुंचने वाला यह एक बड़ा झटका भी है। बैंक को मिलने वाला महंगा कर्ज घूम-फिरकर आखिरकार आम इंसान की श्वस्थ्य,



मकान के सपने और महीने के बजट पर ही भारी पड़ता है।

रेपो रेट बढ़ने की पूरी कहानी को समझने के लिए थोड़ा पीछे जाना होगा। 2020 में जब कोविड महामारी की वजह से सब कुछ बंद पड़ गया था, तब बाजार में पैसे का बहाव बनाए रखने के लिए रिजर्व बैंक ने ब्याज दरें घटा दी थीं, ताकि लोग आसानी से लोन ले सकें और ठप पड़ी अर्थव्यवस्था में थोड़ी जान आए। लेकिन महामारी का दौर ढलते ही दुनिया में एक के बाद एक नए संकट शुरू हो गए।

पहले रूस-यूक्रेन का झगड़ा और अब ईरान-अमेरिका के बीच जारी जंग ने कच्चे तेल से लेकर दुनिया भर के बाजारों में आग लगा दी है। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर कच्चा तेल बाहर से मंगवाता है। जब दुनिया में तेल महंगा होता है, तो देश के भीतर माल ढुलाई महंगी हो जाती है, जिससे बाजार में हर चीज का भाव चढ़ जाता है। इस वैश्विक उथल-पुथल ने भारत में महंगाई को इस कदर भड़का दिया कि रिजर्व बैंक को साढ़े तीन साल बाद दरों में 0।25 प्रतिशत की बढ़ोतरी का फैसला लेना ही पड़ा।रिजर्व बैंक की अपनी एक तय जिम्मेदारी है- बाजार में घूम रहे पैसे को इस तरह संभालना कि कीमतें काबू से बाहर न जाएं। जब बाजार में महंगाई का ग्राफ ऊपर भागने लगता है, तो रिजर्व बैंक का मानना होता है कि लोगों के पास खर्च करने के लिए पैसा थोड़ा कम किया जाए। ताकि डिमांड घटे और कीमतें स्थिर हों।

अर्थशास्त्री इस पहलू पर सहमति देते हुए समझाते हैं कि जब महंगाई लंबी खिंच जाती है, तो वह आम परिवार की पूरी बचत को निगल जाती है। रिजर्व बैंक ने रेपो रेट बढ़ाकर एक तरह से ब्रेक लगाने की कोशिश की है। उसके लिए प्राथमिकता विकास की रफ्तार से ज्यादा इस बात की है कि रोजमर्रा के सामान इतने महंगे न हो जाएं कि आम इंसान की खरीदने की ताकत ही खत्म हो जाए।

मोदी सरकार का नजरिया- भले राजनीतिक जोखिम हो, अर्थव्यवस्था का संतुलन जरूरी

मोदी सरकार के लिए रिजर्व बैंक का यह फैसला एक कड़वी दवा जैसा है। एक तरफ सरकार चाहती है कि देश में नए उद्योग लगें, लोग कारोबार शुरू करें और युवाओं को नौकरियां मिलें, जिसके लिए सस्ते लोन की जरूरत होती है। कर्ज महंगा होने से व्यापार की रफ्तार धीमी पड़ने का डर रहता है। इतना ही नहीं, सरकार यह अच्छी तरह जानती है कि रेपो रेट बढ़ने से जब श्वस्थ्य बढ़ेगी, तो भी लोग सरकार को ही कोसेंगे।

लेकिन दूसरी तरफ, सरकार यह भी अच्छी तरह जानती है कि आम इंसान के लिए महंगाई से बड़ा कोई दर्द नहीं होता। अगर राशन, तेल और सब्जियों के दाम लगातार बढ़ते रहे, तो जनता का गुस्सा सीधे सरकार पर ही फूटता है। इसलिए सरकार के नजरिये से यह कदम भले ही थोड़े समय के लिए अप्रिय हो, लेकिन देश की आर्थिक साख बचाए रखने और रुपये को टूटने से रोकने के लिए यह कदम उठाना उसकी भी एक राजनीतिक मजबूरी बन गया है।मध्यमवर्गीय और कामकाजी परिवारों के लिए इस फैसले का मतलब है हर महीने का गणित गड़बड़ा जाना। जब रिजर्व बैंक से बैंकों को महंगा कर्ज मिलेगा, तो बैंक बिना देर किए इसका बोझ अपने ग्राहकों पर डाल देंगे। इसका सबसे बड़ा थप्पड़ उन लोगों को लगेगा जिन्होंने होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन ले रखा है।

गर्म होते मौसम में फैशन भी हॉट हो रहा है और इसी के साथ कैंपस में फैशन के अंदाज भी बदलते जा रहे हैं। ऑफ शोल्डर, बेयर बैक, स्ट्रेपलेस, शॉर्ट्स, हॉट पैंट्स वगैरह के साथ कैंपस की अदाएं खासी स्टाइलिश होती जा रही है। आइए, जानते हैं कैंपस के हॉट फैशन के बारे में।

हॉट मौसम का फैशन



गर्मियों के मौसम में ज्यादातर कॉलेजों में इग्जाम होता रहता है या फिर इसकी तैयारी जोर-शोर से होती रहती है, लेकिन फैशन का अंदाज होता है निराला। वह हर समय कुछ खास अंदाज में दिखना चाहता है। कैंपस की कुड़िया ऐसे किसी भी मौके को हाथ से जाने नहीं देना चाहती। कैंपस में इस समय फैशन ने पूरे जोश के साथ फिलहाल दस्तक नहीं दी है, लेकिन इसकी सुगबुगाहट दिखाई पड़ने लगी है। शॉर्ट स्कर्ट्स, जंप सूट्स, मलमल कुर्तियां, मैक्सी ड्रेस वगैरह तो बहुत कॉमन हैं। इनके अलावा ऑफ शोल्डर, स्ट्रेपलेस और डीप नेक्स भी खूब नजर आ रहे हैं। खासतौर पर चंकी जूलरी के साथ इन्हें ट्राई किया जा रहा है। यानी समर्स में कैंपस की डिमांड कंफर्टेबल ड्रेसेस के साथ स्टाइलिश लुक और ट्रेंडी दिखने की भी है। वैसे, दम मारो दम के ट्रेलर देखने के बाद यंगस्टर्स में हिप्पी स्टाइल और बोहो लुक दोबारा पॉपुलर हो रहे हैं।

अनेक हैं वैरायटी

गर्ल्स वैसे तो काफी-कुछ पसंद कर रही हैं, लेकिन सीजन को देखते हुए शॉर्ट स्कर्ट्स, लॉन्ग स्कर्ट्स, एंकल लेंथ मिडी, हॉल्टर नेक ड्रेस, प्रॉम्प ड्रेस, वाइड ट्राउजर वगैरह सभी कैंपस फैशन का हिस्सा हैं। कॉटन कुर्तियां भी गर्ल्स को खूब लुभा रही हैं। इनमें मलमल फैब्रिक लखनवी एम्ब्रॉयडरी व कांथा वर्क खूब पसंद किए जा रहे हैं। इन्हें जींस या हाफ लेगिंग के साथ पहनकर एक अच्छा स्टाइल स्टेटमेंट बनाया जा सकता है। वैसे इस समय शॉर्ट्स का डिमांड अधिक है।

फैब्रिक व पैटर्न

समर ड्रेसेस में कॉटन, शिफॉन व पॉपलिन जैसे फैब्रिक ही ज्यादा पसंद किए जाते हैं, क्योंकि ये कंफर्टेबल होने के साथ कूल लुक देते हैं। प्रिंट्स में जहां फ्लोरल व डॉट्स का ट्रेंड बरकरार है, वहीं स्ट्राइप्स भी कुछ अलग हैं। इस सीजन में प्रॉम्प ड्रेसेस भी काफी पसंद की जा रही हैं। मौका चाहे फॉर्मल हो या इनफॉर्मल मैक्सी सनड्रेसेस की तो बात ही निराली है। यह काफी स्टाइलिश लगती है। प्लेन बेस पर ब्लैक कलर प्रिंट या एम्ब्रॉयडरी के जरिए छाया हुआ है।

कलर कॉन्सेप्ट

कलर्स की बात करें, तो कैजुअल व सोबर शेड्स ट्रेंड में हैं। यदि डार्क कलर्स कैरी किए जा रहे हैं, तो वह लाइट व कैजुअल टोन में हैं। ब्लू, टरक्वॉइश, वाइट, ग्रे, पिंक, येलो, स्काई, लेमन, ऐश व ब्राउन व लेवेंडर कलर्स काफी पसंद किए जा रहे हैं। बेज, पर्पल और ऑरेंज के शेड्स भी खूब पसंद किए जा रहे हैं। फैशन डिजाइनर रवि कुमार के अनुसार ऐसिड ग्रीन, ब्लू, स्काई ब्लू, ब्लैक ऑन आइवरी कलर व टरक्वॉइश कलर्स इस सीजन में अधिक पसंद किए जा रहे हैं।



कॉकटेल का प्रयोग

अगर आप कॉलेज या किसी पार्टी में जा रही हैं, तो कुछ डिफरेंट होना ही चाहिए। जिससे लोगों की निगाहें केवल आप को ही ढूढ़ें। इसके लिए जरूरी है कि आप अपने ड्रेस में कॉकटेल का प्रयोग करें। राउंड वेस्ट, स्पैगेटी स्टाइल या हॉल्टर नेक स्टाइल ड्रेस ट्राई कर सकती हैं। ये आपकी पर्सनैलिटी को कॉम्प्लिमेंट देती है, जबकि लियोपर्ड रफल कुछ हटकर लुक देता है। इनमें बरगंडी व पर्पल जैसे कलर्स बेहतर रहते हैं। थोड़ा एथनिक फ्लेवर चाहिए तो बाटिक या ब्लॉक प्रिंट्स बढ़िया रहते हैं। बोल्ड लुक के लिए डीप नेक या बेयर बैक ट्राई कर सकती हैं। यह आप को खास ग्लैमरस लुक देता है।

बोल्ड लुक के लिए

अगर आप चाहती हैं कि आपका लुक सबसे जुदा हो और बोल्ड भी दिखें तो शिमरिंग हाई-थाइज ड्रेस ट्राई करें। बेयर बैक भी कुछ डिफरेंट रहेगी। वैसे लाइट क्रीम कलर किसी कॉक टेल पार्टी के लिए सबसे बेस्ट ऑप्शंस रहता है। वैसे पार्टियों में स्लीवलेस आप के लुक को ग्लैमरस बना देता है। स्लीवलेस जितना दिखने में हॉट होता है, उतना ही पहनने में कूल-कूल का अहसास कराता है।

रंग-बिरंगी हैट

गर्मी से बचने के लिए बाजार में हैट की भरमार है। हर एक रेंज में उपलब्ध हैट केवल गर्मी से हमें कूल-कूल अहसास ही नहीं कराते, बल्कि स्टाइलिश भी बनाते हैं। इस गर्मी में आप रितिक हैट, ब्रॉड रीम हैट, कैन हैट, पी हैट, गोल्फ हैट, स्ट्रॉ हैट वगैरह में ढेरों वैरायटी ले सकते हैं। यही नहीं युवाओं के बीच बांग्लादेशी हैट भी बेहद पॉपुलर हैं और इनकी फिटिंग सबसे अच्छी होती है। डेनिम या शिकागो बुल्स कैप में भी काफी वैरायटी हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद के रंग, डिजाइन और फैब्रिक के मुताबिक ले सकते हैं। यह कैप फिल्म स्टार से लेकर खिलाड़ियों के बीच खूब पसंद की जाती है। डेनिम फैब्रिक से तैयार की गई बकेट कैप का डिमांड गर्ल्स के बीच अधिक रहता है। बेसबॉल कैप राउंड कैप है और यह गोल चेहरे पर खूब फबती है।

...और मोड़ देंगी समाज का रुख





समाज में निरंतर एक बदलाव की बयार चलती रहती है। इस सामाजिक बदलाव की मुहिम में कुछ ऐसी महिलाएं भी हैं, जिनके साथ-साथ आज समाज का बहुत बड़ा तबका कदम मिला कर चल रहा है। दूसरी तरफ ऐसी महिलाएं भी समाज में काम कर रही हैं, जिनके पास साथ चलने वाला कारवां तो नहीं है, पर उन्होंने अपने दम पर हवा का भी रुख बदल कर अपने अनुकूल कर लिया है। ऐसे में आज इनसे ही समाज, परिवर्तन की एक आस बांधे हुए है।

हम में है दम : इस बात में कोई दोराय नहीं है कि इस महिला-प्रधान देश में भी महिलाओं के साथ बहुत ज्यादतियां हुई हैं। आजादी के छह दशक बाद भी महिलाओं की कई हसरतें अधूरी हैं, लेकिन इसे महिलाओं की उम्मीद कहें या उनका जज्बा, जिसकी वजह से आज उन्होंने अपना एक अलग ही कारवां बना डाला है। हालांकि कागजी तौर पर इनके लिए बड़ी-बड़ी बातें होती हैं। इन महिलाओं को पुरुषों के समकक्ष रखा गया है, पर सामाजिक और मानसिक धरातल पर यह बात हवा-हवाई ही लगती है। लेकिन इन महिलाओं ने जमाने के आगे हार नहीं मानी और आज ये देश के बार्डर से लेकर आसमान पर छाई हुई हैं।

- **दुर्भाग्य है इस समाज का :** इसे देश का दुर्भाग्य ही कहेंगे कि आज हमारे देश की राजधानी में भी महिलाओं के साथ हिंसा, बलात्कार जैसे मामले आम तौर पर होते रहते हैं। ऐसे में देश के सुदूर क्षेत्रों के बारे में क्या कहा जा सकता है। दिल्ली में 2006 में बलात्कार के 623, 2005 में 658 व 2004 में 551 मामले दर्ज किए गए।' ये 'दर्ज किए गए' मामले हैं। जबकि इस तथ्य से हर कोई वाकिफ है कि बड़ी संख्या में बलात्कार और ज्यादतियों के मामले दर्ज ही नहीं होते हैं या नहीं करवाये जाते हैं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की राजधानी में महिलाओं का यह हाल है। यह अपने आप में एक शर्म की बात है।
- **एक आस :** राह कैसी भी हो इन महिलाओं ने अपने दम से अपनी जगह बनाई है और आज देश के कई फिल्ड में इनका वर्चस्व कायम है। कहीं-कहीं तो कुछ महिलाओं ने वाकई ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिससे अंजाम सुखद होता मालूम पड़ता है। सामाजिक बदलाव की मुहिम में कुछ ऐसी महिलाएं भी हैं, जिनके साथ चलने वाली एक फौज तैयार हो चुकी है। दूसरी तरफ ऐसी महिलाएं भी समाज में काम कर रही हैं, जिनके पास साथ चलने वाला कारवां तो नहीं है, पर इनमें हवा का रुख बदल देने का जज्बा जरूर है। इससे परिवर्तन की आस बंधी है।
- **इन्होंने समझा जिम्मेदारी को :** भारत विविधताओं का देश है। यहां विविधता में समानता वाला पक्ष भी हमेशा से बरकरार रहा है। महिलाओं के मामले में भी देश के अलग-अलग हिस्सों में कमोबेश यही बात देखने को मिलती है। यदि हम बात करें दशकों से आतंकवाद की मार झेल रही कश्मीर की महिलाओं की, तो कश्मीर में फैली हिंसा की वजह से कई महिलाएं विधवा के रूप में जीवन गुजारने को अभिशप्त हैं। यहां ऐसी काफी विधवाएं हैं, जिनके दो-तीन बच्चे हैं। इस वजह से परिवार चलाने की पूरी जिम्मेदारी भी इन विधवाओं पर ही है। इनकी राह में रोड़े भी बहुत हैं। घाटी के बदले माहौल में महिलाएं मुखर हो रही हैं। आज ये अपना हक समझ चुकी हैं। शायद, इसी का एक रूप रुखसाना कौशर भी है।
- **महिला शक्ति को सलाम :** पुरुष प्रधान समाज में कुछ ऐसे काम भी हैं, जिन पर पुरुषों का एकाधिकार रहा है। इन्हीं में से है गाड़ियों की मरम्मत का काम। पर रत्नाबेन की कहानी अलग है। यह सुरेंद्रनगर; सौराष्ट्र जिले के चामराज गांव की रहने वाली हैं। यह महिला दोपहिया वाहन के मरम्मत का काम करती है। साठ वर्षीय रत्नाबेन ने यह काम अपने पति हरिभाई से सीखा है। दरअसल, जब हरीभाई बीमारी की वजह से काम करने में असमर्थ हो चले तो घर चलाने की जिम्मेदारी रत्नाबेन ने संभाली।

बचें नकारात्मक भावनाओं से



कई बार देखने में आता है कि आपमें तमाम खूबियां होने के बावजूद भी जाने-अनजाने में आपमें कुछ ऐसे अवगुण आ जाते हैं, जो आपके व्यक्तित्व में दाग लगा देते हैं। इन्ही में से एक है नकारात्मकता का आपके अंदर समावेश। तो चलिए आज आपको बताते हैं कि इससे आप कैसे दूर रह सकती हैं।

परख लें अपनी दिनचर्या

यदि आप आकर्षक व्यक्तित्व वाली महिला बनना चाहती हैं तो आपके लिए यह जरूरी होता है कि उसके आचार-व्यवहार में कहीं भी कोई नकारात्मक भावना न हो, क्योंकि इससे न केवल आपका व्यक्तित्व ही खराब होता है, बल्कि घर-परिवार, ऑफिस आदि में भी आपकी इमेज खराब होने लगती है। समाज में अपनी अच्छी छवि बनाए रखने के लिए आपको अभी से अपने व्यक्तित्व का विश्लेषण कर लेना चाहिए। इसके लिए कभी भी जब आपको समय मिले तो आप दिनभर में किए गए कार्यों और व्यवहारों पर एक बार जरूर विश्लेषण करें। इन पर करें विचार: क्या आपको किसी काम को करने में संकोच महसूस होता है या अच्छे लोगों की अच्छी बातों से दूर रहने की कोशिश करती हैं। केवल सुनी-सुनाई बातों में आकर बेकार में किसी पर शक करती हैं या आपको लगता है आपका भाग्य साथ नहीं देता। आप जो भी ठानती हैं या वादा करती हैं, वह पूरा नहीं हो पाता या अपने ही ऊपर अक्सर गुस्सा आता है। आपको अक्सर डरावने सपने दिखाई देते हैं या अपने घर-परिवार या सहकर्मियों के साथ छोटी-छोटी बातों पर भी झगड़ा होता है या अपनी गलतियों के लिए दूसरों को दोष देती हैं। इन प्रश्नों पर यदि आप विचार करें तो आपके व्यक्तित्व में स्वत: ही निखार आना शुरू हो जाएगा।

मॉम रखें ख्याल

बच्चों के सबसे करीब मां होती हैं, इसलिए खान-पान को लेकर सबसे बड़ी जिम्मेदारी उन्ही की है, लेकिन भले ही उनको यह बात नागवार गुजरे, पर जंकफूड से बच्चों की बुद्धि क्षमता कम जरूर होती है। जिससे खाद्य पदार्थों के सेवन के अलावा कुछ अन्य पौष्टिक आहार का सेवन करना चाहिए। ब्रिटेन में हुए शोध के आधार पर यह बात सच हो हुई है।

आईक्यू की दर में आई कमी : ब्रिटेन में 4000 बच्चों पर हुए एक शोध में पाया गया कि चार वर्ष से कम उम्र के वे बच्चे जो परिष्कृत खाद्य पदार्थ, वसा और शर्करा का सेवन करते हैं, उनके मस्तिष्क की क्षमता साढ़े आठ वर्ष की उम्र में पहुंचने पर कम हो गई। बच्चों की आईक्यू में 1.67 की दर से गिरावट उनके द्वारा सेवन किए गए परिष्कृत वसा से बुद्धि क्षमता के चार्ट को प्रतिबिंबित करेगा। इस क्षति की भरपाई नहीं की जा सकती मसलन, चार और सात वर्ष की आयु के बच्चों का खानपान उनके आईक्यू के स्तर पर कोई प्रभाव नहीं डालेगा। विकास में सहायक अच्छा खान-पान: ब्रिटेन के ब्रिस्टल विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा कई वर्षों में किए गए अध्ययन में तीन, चार, सात और साढ़े आठ वर्ष के बच्चों के खानपान पर निगरानी रखी गई। शोध के दौरान बताया कि ब्रिटिश बच्चों की खानपान की आदत काफी खराब है, ये बाल्यावस्था में अधिक मात्रा में परिष्कृत, वसायुक्त और शर्करायुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं जो कि साढ़े आठ वर्ष की आयु में कम आईक्यू का कारण हो सकता है। बाल्यावस्था में अच्छा खान पान दिमाग के विकास में सहायक होता है। संतुलित आहार आईक्यू के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

न्यूज इन शॉर्ट

निर्वाचन आयुक्त ने विभागों की समीक्षा बैठक ली

रायपुर। आयोग द्वारा स्थानीय निकायो के निर्वाचन के संबंध में निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी किया गया है, निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 30 नवम्बर 2026 को किया जायेगा। आगामी आम एवं उप निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में राज्य निर्वाचन आयोग में राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह द्वारा सामान्य प्रशासन विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से रिक्त पदों, आरक्षण, परिसीमन की अद्यतन जानकारी ली, साथ ही निर्वाचन हेतु आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में राज्य निर्वाचन आयोग की सचिव शिखा राजपूत तिवारी, प्रमुख सचिव, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग सोनमणि बोरा, सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग भीम सिंह, सचिव नगरीय प्रशासन अविनाश चंपावत, संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर, संचालक पंचायत एवं ग्रामीण विकास प्रियंका महोबिया उपस्थित रहे।पंचायत निर्वाचन - सारंगढ़-बिलाईगढ़, कोरिया एवं कोंडागांव जिलों की 09 ग्राम पंचायतों में सरपंच तथा 126 पंच पदों का आम निर्वाचन प्रस्तावित हैं तथा जनपद पंचायत सदस्य का 01 रिक्त पद, सरपंच के 92 रिक्त पदों, पंच के 721 पदों के लिए उपनिर्वाचन कराया जाना है। नगरीय निकाय निर्वाचन - नवगठित 02 नगर पंचायत तमनार, जिला रायगढ़ व नगर पंचायत बड़ी करेली, जिला धमतरी के साथ साथ नगरपालिक निगम भिलाई-चरौदा, रिसाली, जामुल एवं बिरगांव सहित ऐसे 15 नगरीय निकाय जिसमें आम निर्वाचन सम्पन्न कराया जाना है। इसके साथ ही एक अध्यक्ष पद (नगर पंचायत, बिलाईगढ़) एवं अलग-अलग निकायों के 06 वार्ड पार्षद का उप निर्वाचन भी कराया जाना है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा सभी संबंधित विभागों एवं जिला प्रशासन को निर्वाचन से संबंधित समस्त तैयारियों को समन्वित रूप से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि आयोग का उद्देश्य स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुचारू निर्वाचन सुनिश्चित करना है इसलिए निर्वाचन संबधी समस्त अपेक्षित कार्यवाही समय सीमा में पूर्ण कर ली जाए।

ओडिशा से रायगढ़ आ रहा था 23 टन से ज्यादा स्क्रैप, पुलिस ने पकड़ा ट्रक

रायपुर। संपत्ति जब्त की गई है। पुलिस ने इस मामले में ट्रक चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार, रायगढ़ जिले में अवैध कबाड़ के परिवहन और कारोबार पर रोक लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में एसएसपी शशि मोहन सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी के मार्गदर्शन और डीएसपी सुशांतो बनर्जी के सुपरविजन में पूंजीपथरा थाना प्रभारी रामकिंकर यादव के नेतृत्व में विशेष कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय करते हुए अवैध कबाड़ परिवहन करने वाले वाहनों पर नजर रखी थी।पुलिस के अनुसार, 6 अक्टूबर 2026 को पूंजीपथरा थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक 10 चक्का ट्रक में भारी मात्रा में अवैध स्क्रैप कबाड़ लोड कर रायगढ़ इस्पात प्लांट में अनलोड करने के लिए ले जाया जा रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रायगढ़ इस्पात मेन रोड पर घेराबंदी की। इसी दौरान पुलिस ने संदिग्ध ट्रक क्रमांक ह्रक्र15 क्र2257 को रोका। वाहन की जांच करने पर उसमें भारी मात्रा में स्क्रैप कबाड़ भरा हुआ मिला। इसके बाद पुलिस ने ट्रक चालक से कबाड़ के परिवहन से संबंधित दस्तावेजों की मांग की।पुलिस ने ट्रक चालक की पहचान स्युवीर सिंह, पिता गुरूदयाल सिंह, उम्र 51 वर्ष, निवासी ऐंठापाली, थाना बुडाराजा, जिला संबलपुर, ओडिशा के रूप में की है। पूछताछ में चालक ने बताया कि वह ग्राम रैमण्ड, संबलपुर से स्क्रैप कबाड़ लोड कर रायगढ़ इस्पात प्लांट में खाली करने जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, चालक से जब कबाड़ के परिवहन और उसके संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, तो वह कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा सका। दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर पुलिस ने वाहन में लोड स्क्रैप की जांच और वजन कराने की कार्रवाई की।पुलिस ने ट्रक में लोड स्क्रैप कबाड़ का कांटा कराया। वजन करने पर वाहन में कुल 23 टन 880 किलोग्राम यानी 23.880 टन स्क्रैप मिला। इस कबाड़ की अनुमानित बाजार कीमत करीब 9 लाख 57 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने स्क्रैप के साथ परिवहन में उपयोग किए जा रहे 10 चक्का ट्रक को भी जब्त कर लिया। इस प्रकार कार्रवाई में जब्त की गई कुल संपत्ति की कीमत करीब 18 लाख रुपये बताई गई है।

बस्तर से सहकारिता का नया सूर्योदय

सहकार से समृद्धि के राष्ट्रीय विमर्श से दूरदराज के क्षेत्रों तक विकास पहुंचाने का शंखनाद

जगदलपुर में सहकार से समृद्धि राष्ट्रीय वर्कशॉप का शुभारंभ

अंतिम छोर तक जनमानस को लाभ पहुंचाना ही सहकारिता की सार्थकता-सचिव सहकारिता भारत सरकार डॉ. आशीष भूटानी

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मां दंतेश्वरी की पावन धरा बस्तर जिले के जगदलपुर में भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सहकार से समृद्धि वर्कशॉप का भव्य शुभारंभ गुरुवार को हुआ। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में आयोजित यह नौवां सम्मेलन ऐतिहासिक महत्व रखता है, क्योंकि बस्तर में पहली बार किसी केंद्रीय मंत्रालय द्वारा इस स्तर का राष्ट्रीय विचार-मंथन आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन का मुख्य ध्येय सहकारिता आंदोलन के माध्यम से देश के सबसे



दूरदराज, आकांक्षी और जनजातीय अंचलों के अंतिम व्यक्ति तक आर्थिक समृद्धि और विकास का लाभ पहुंचाना है।सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत सरकार के सहकारिता सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने रेखांकित किया कि सहकारिता की सार्थकता तभी सिद्ध होगी जब इसका प्रभाव जमीनी स्तर पर अंतिम छोर तक दिखाई दे। असम में शांति बहाली के बाद आई विकास की गति का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ठीक वैसा ही सकारात्मक और अभूतपूर्व बदलाव आज बस्तर की धरती पर भी महसूस किया जा रहा है। प्राथमिक कृषि साख समितियों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की धुरी बताते हुए उन्होंने देश भर में दो लाख नई बहुउद्देशीय पैक्स की स्थापना, उनके पूर्ण डिजिटलीकरण, कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में रूपांतरण और विश्व की सबसे बड़ी विकेंद्रीकृत अनाज भंडारण योजना को तेजी से लागू करने की आवश्यकता जताई। इसके साथ ही उन्होंने नाबार्ड, एनसीडीसी और एनडीडीबी जैसी शीर्ष संस्थाओं के सहयोग से पैक्स के विविधीकरण, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे आधुनिक क्षेत्रों में नए अवसर तलाशने और सहकारी बैंकिंग व्यवस्था के पारदर्शी व सुदृढ़ वित्तीय प्रबंधन पर विशेष बल दिया।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने की विकास कार्यों की प्रगति और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने सरगुजा संभागीय मुख्यालय अंबिकापुर में सरगुजा और सूरजपुर जिले के अधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बैठक में विकास कार्यों की प्रगति, योजनाओं के क्रियान्वयन तथा विभागीय स्तर पर किए जा रहे कार्यों की स्थिति की जानकारी ली। सरगुजा के कलेक्टर श्री अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल और सूरजपुर की कलेक्टर श्रीमती रेना जमील भी बैठक में मौजूद थीं।

योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष जोर, जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने चारों विभागों के अधिकारियों से योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा करने को कहा। उन्होंने स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने तथा कार्यों की निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों को गति देने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का वास्तविक उद्देश्य नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है, इसलिए अधिकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने अधिकारियों को अपने कार्यालय की व्यवस्था सुधारने तथा अच्छी साफ-सफाई रखने को कहा। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं और विकास कार्यों का सीधा लाभ आम नागरिकों तक पहुंचे। अधिकारी अपनी जिम्मेदारी समझें, गम्भीरतापूर्ण ढंग से दायित्वों का निर्वहन करें।

निर्माणाधीन पीएम आवासों को अक्टूबर तक पूर्ण करने कहा

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नगरीय क्षेत्रों में संचालित विकास कार्यों एवं विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को नगरीय निकायों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग तथा जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हमारे शहर, हमारे प्रदेश की छवि और जिले की प्रतिष्ठा बनाते हैं। इसलिए नगरों की व्यवस्था दुरुस्त करें, स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि टेण्डर प्रकिया होने के बाद तुरंत कार्य शुरू हो जाएं, प्रगतिरत कार्यों को जल्द पूरा करें, गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें और अपने दायित्वों का गम्भीरता से निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) प्राथमिकता का कार्य है, इसलिए सभी सीएमओ अक्टूबर माह तक प्रगतिरत निर्माण कार्यों को पूरा करें। उन्होंने राजस्व संग्रहण कार्य की हर माह समीक्षा करने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ होम गार्ड्स, फायर और एसडीआरएफ के जवानों के लिए बैंक ऑफ़ बड़ौदा लाया आकर्षक सैलरी बेनिफिट्स

कई बेहतरीन वित्तीय और बीमा सुरक्षा लाभ प्रदान किए जा रहे हैं

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

नगर सेना, अग्निशमन, आपातकालीन सेवाएँ एवम् स्ह्रक्रस्र छत्तीसगढ़ और बैंक आफ बड़ौदा के मध्य 6 अक्टूबर 2026 को स्ह्र संपादित किया गया है । इसमें विभाग के समस्त ऐसे निम्न आय वर्ग के स्वयंसेवकों एवम् कर्मचारियों, जिन्हें 10 हजार से 50 हजार के मध्य वेतन/मानदेय वेतन प्राप्त होता है, के लिए जीवन बीमा, व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना एवम् अन्य सुविधाओं का लाभ सुनिश्चित किया गया है। इससे लाभान्वित होने वाले कर्मचारी/स्वयंसेवक अपना वेतन एकाउण्ट (खाता) बैंक आफ बड़ौदा के अपने जिला शाखा में खुलवा सकते हैं। सभी इकाई प्रमुखों को बैंक से समन्वय स्थापित कर उक्त कार्यवाही को शीघ्र पूर्ण करने निर्देशित किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य के होमगार्ड, फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज (अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं) तथा एसडीआरएफ विभाग के कर्मचारियों और जवानों के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा विशेष वेतन लाभ की घोषणा की गई है। इस योजना के तहत जवानों और उनके परिवारों को कई बेहतरीन वित्तीय और बीमा सुरक्षा लाभ प्रदान किए जा रहे हैं।

प्रमुख विशेषताएँ एवं मिलने वाले लाभ

छत्तीसगढ़ राज्य के होमगार्ड, फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज (अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं) तथा एसडीआरएफ विभाग के कर्मचारियों और जवानों को 1 लाख तक का जीवन बीमा कवर, 40 लाख तक का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा, 40 लाख तक का हवाई दुर्घटना बीमा कवर, ड्यूटी के दौरान अतिरिक्त कवर- मूल व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा का 25त्न अतिरिक्त कवर (10 लाख तक), दिव्यांगता लाभ- पूर्ण/स्थायी विकलांगता पर 40 लाख तक और आंशिक विकलांगता पर 30 लाख तक की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

परिवार और बच्चों के लिए कल्याणकारी योजनाएं

राज्य के होमगार्ड, फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज (अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं) तथा एसडीआरएफ विभाग के कर्मचारियों और जवानों के पुत्री की विवाह के लिए 4 लाख तक की सहायता, बच्चों की शिक्षा के लिए 4 लाख तक का लाभ दिया जाएगा।

खाता और कार्ड की विशेषताएं

राज्य के होमगार्ड, फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज (अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं) तथा एसडीआरएफ (विभाग के कर्मचारियों और जवानों को जीरो बैलेंस तिमाही औसत शेष की सुविधा, कार्ड प्रदाय किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ होम गार्ड्स, फायर और एसडीआरएफ के जवानों के लिए बैंक ऑफ़ बड़ौदा लाया आकर्षक सैलरी बेनिफिट्स

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

नगर सेना, अग्निशमन, आपातकालीन सेवाएँ एवम् स्ह्रक्रस्र छत्तीसगढ़ और बैंक आफ बड़ौदा के मध्य 6 अक्टूबर 2026 को स्ह्र संपादित किया गया है । इसमें विभाग के समस्त ऐसे निम्न आय वर्ग के स्वयंसेवकों एवम् कर्मचारियों, जिन्हें 10 हजार से 50 हजार के मध्य वेतन/मानदेय वेतन प्राप्त होता है, के लिए जीवन बीमा, व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना एवम् अन्य सुविधाओं का लाभ सुनिश्चित किया गया है। इससे लाभान्वित होने वाले कर्मचारी/स्वयंसेवक अपना वेतन एकाउण्ट (खाता) बैंक आफ बड़ौदा के अपने जिला शाखा में खुलवा सकते हैं। सभी इकाई प्रमुखों को बैंक से समन्वय स्थापित कर उक्त कार्यवाही को शीघ्र पूर्ण करने निर्देशित किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य के होमगार्ड, फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज (अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं) तथा एसडीआरएफ विभाग के कर्मचारियों और जवानों के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा विशेष वेतन लाभ की घोषणा की गई है। इस योजना के तहत जवानों और उनके परिवारों को कई बेहतरीन वित्तीय और बीमा सुरक्षा लाभ प्रदान किए जा रहे हैं।

प्रमुख विशेषताएँ एवं मिलने वाले लाभ

छत्तीसगढ़ राज्य के होमगार्ड, फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज (अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं) तथा एसडीआरएफ (स्ह्रक्रस्र) विभाग के कर्मचारियों और जवानों को 1 लाख तक का जीवन बीमा कवर, 40 लाख तक का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा, 40 लाख तक का हवाई दुर्घटना बीमा कवर, ड्यूटी के दौरान अतिरिक्त कवर- मूल व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा (ह्रह्र) का 25त्न अतिरिक्त कवर (10 लाख तक), दिव्यांगता लाभ- पूर्ण/स्थायी विकलांगता पर 40 लाख तक और आंशिक विकलांगता पर 30 लाख तक की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

परिवार और बच्चों के लिए कल्याणकारी योजनाएं

राज्य के होमगार्ड, फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज (अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं) तथा एसडीआरएफ विभाग के कर्मचारियों और जवानों को जीरो बैलेंस तिमाही औसत शेष (ह्रक्र) की सुविधा, लाइफटाइम फ्री रुपे प्लेटिनम डेबिट कार्ड और सिलेक्ट वेरिएंट का मुफ्त क्रेडिट कार्ड प्रदाय किया जाएगा। उनके परिवार के लिए 4 खातों तक और जीवनसाथी (पति-पत्नी) के खाते के लिए जीरो बैलेंस के साथ मुफ्त रुपे डेबिट कार्ड की सुविधा के अलावा अन्य बैंकिंग सुविधाएं में मुफ्त चेक बुक, डिमांड ड्राफ्ट आरटीजीएसनेफ्ट और एटीएम का असीमित उपयोग पूरी तरह निःशुल्क है। बैंक ऑफ़ बड़ौदा की इस पहल से राज्य की सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं में अपनी सेवाएं दे रहे इन जवानों और उनके परिवारों को बड़ी आर्थिक मजबूती और सहूलियतें प्राप्त होंगी।

23-24 अक्टूबर को सद्भावना स्टेडियम नई लेदरी में जिला स्तरीय मुकाबले

एमसीबी : सरगुजा ओलंपिक 2026-27 का खेल महाकुंभ सजने को तैयार, एमसीबी में ब्लॉक एवं जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं की तिथियां घोषित

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को पहचान, प्रोत्साहन और अपनी क्षमता प्रदर्शन के लिए बड़ा मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरगुजा ओलंपिक 2026-27 के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में ब्लॉक एवं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं की तिथियों और आयोजन स्थलों की घोषणा कर दी गई है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस खेल महाकुंभ में जिले के प्रतिभावान खिलाड़ी जूनियर एवं सीनियर वर्ग में विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। सरगुजा ओलंपिक के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को प्रतिस्पर्धात्मक मंच प्रदान करने के साथ-साथ युवाओं में खेल भावना, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के शामिल होने की उम्मीद है।

12 प्रमुख खेल विधाओं में होगी जोरदार प्रतिस्पर्धा

सरगुजा ओलंपिक के अंतर्गत कुल 12 प्रमुख खेल विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, कराते, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, हॉकी, कुश्ती एवं रस्साकशी शामिल हैं।

एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो तथा 4म100 मीटर रिले रेस आयोजित होगी। तीरंदाजी में इंडियन राउंड के अंतर्गत 30 मीटर एवं 50 मीटर की स्पर्धाएं होंगी। इसी तरह कराते में विभिन्न आयु एवं भार वर्ग के अनुसार मुकाबले होंगे। फुटबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल एवं बास्केटबॉल में भी खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। हॉकी एवं कुश्ती की प्रतियोगिताएं केवल जिला स्तर पर आयोजित होंगी। कुश्ती में विभिन्न भार वर्गों में मुकाबले होंगे। वहीं रस्साकशी प्रदर्शनात्मक खेल के रूप में केवल सीनियर महिला वर्ग के लिए आयोजित की जाएगी।

मनेन्द्रगढ़ में 9-10 अक्टूबर को ब्लॉक स्तरीय मुकाबले

मनेन्द्रगढ़ विकासखंड की ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताएं 09 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2026 तक सद्भावना स्टेडियम, नई लेदरी में आयोजित की जाएंगी। जनकपुर विकासखंड की प्रतियोगिताएं 12 अक्टूबर से 13 अक्टूबर 2026 तक इंद्रप्रस्थ स्टेडियम, जनकपुर में होंगी। वहीं खड़गवां विकासखंड की ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताएं 12 अक्टूबर से 13 अक्टूबर 2026 तक मिनी स्टेडियम, खड़गवां में आयोजित की जाएंगी। इसके बाद ब्लॉक स्तर पर चयनित एवं पात्र खिलाड़ी जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे।

23-24 अक्टूबर को होगा जिला स्तरीय आयोजन

सरगुजा ओलंपिक का जिला स्तरीय आयोजन 23 अक्टूबर से 24 अक्टूबर 2026 तक सद्भावना स्टेडियम, नई लेदरी में किया जाएगा। जिला स्तर पर खिलाड़ी विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए प्रतिस्पर्धा में शामिल होंगे। विशेष रूप से हॉकी एवं कुश्ती की प्रतियोगिताएं जिला स्तर पर ही आयोजित की जाएंगी।

14 से 17 वर्ष के खिलाड़ी जूनियर वर्ग में होंगे शामिल

सरगुजा ओलंपिक में प्रतियोगिताओं का आयोजन दो प्रमुख वर्गों में किया जाएगा। जूनियर वर्ग में 14 वर्ष से 17 वर्ष तक के बालक एवं बालिका खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। वहीं सीनियर वर्ग में महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों के लिए आयु की कोई सीमा निर्धारित नहीं है। इससे जिले के किशोर खिलाड़ियों के साथ-साथ विभिन्न आयु वर्ग के अनुभवी एवं उभरते खिलाड़ियों को भी अपनी खेल क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

एक खिलाड़ी एक एकल और एक सामूहिक खेल में ले सकेगा भाग

प्रतियोगिता को सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रतिभागियों के लिए आवश्यक नियम एवं दिशा-निर्देश भी निर्धारित किए गए हैं। इसके तहत प्रत्येक खिलाड़ी केवल एक एकल खेल एवं एक सामूहिक खेल में ही भाग ले सकेगा।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। वहीं मैदान पर उपस्थिति दर्ज कराते समय प्रत्येक खिलाड़ी को अपना पहचान पत्र तथा बैंक पासबुक की फोटोकॉपी अनिवार्य रूप से साथ लानी होगी।

खेल प्रतिभाओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील

खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा स्थानीय प्रशासन ने जिले के सभी युवा खिलाड़ियों, खेल प्रतिभाओं एवं खेल प्रेमियों से सरगुजा ओलंपिक में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। विभाग का उद्देश्य जिले के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर मंच उपलब्ध कराकर उनकी प्रतिभा को निखारना और उन्हें आगे की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। सरगुजा ओलंपिक 2026-27 जिले के खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा, मेहनत और खेल कौशल को साबित करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।

संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।